दैनिक
# सांध्य प्रकाश
भोपाल की धड़कन

भोपाल
सोमवार 13 जनवरी 2025
भोपाल से प्रकाशित
भोपाल से प्रकाशित
dainiksandhyaprakash.in

वर्ष 54/ अंक 167/ पृष्ठ 8 / मूल्य ₹ 2.10

संस्थापक- स्व. सुरेंद्र पटेल

■आर.एन.आई 22296/71 ■डाक पंजीयन मप्र/भोपाल/125/12-14

# महाकुंभ का शंखनाद

## 70 लाख श्रद्धालुओं ने लगाई आस्था की डुबकी

शाही स्नान कल

**सांध्यप्रकाश विशेष**

प्रयागराज। महाकुंभ का शुभारंभ हो चुका है। पौष पूर्णिमा पर आज पहला स्नान है। दोपहर तक 70 लाख श्रद्धालु डुबकी लगा चुके हैं। आज 1 करोड़ भक्तों के पहुंचने का अनुमान है। भक्तों पर 20 क्विंटल फूलों की वर्षा की जाएगी। महाकुंभ 144 साल में दुर्लभ खगोलीय संयोग में हो रहा है। 144 साल बाद दुर्लभ संयोग में रविवार की आधी रात संगम पर पौष पूर्णिमा की प्रथम डुबकी के साथ महाकुंभ का शुभारंभ हुआ। विपरीत विचारों, मतों, संस्कृतियों, परंपराओं स्वरूपों का गंगा, यमुना और अदृश्य सरस्वती की त्रिवेणी के तट पर महामिलन 45 दिन तक चलेगा। इस अमृतमयी महाकुंभ में देश-दुनिया से 45 करोड़ श्रद्धालुओं, संतों-भक्तों, कल्पवासियों और अतिथियों के डुबकी लगाने का अनुमान है।

### आस्था के सामने कंपकंपाती ठंड पीछे छूट गई

घना कोहरा, थरथरा देने वाली कंपकंपी आस्था के आगे मीलों पीछे छूट गई। संगम पर आधी रात लाखों श्रद्धालुओं का रेला उमड़ पड़ा। कहीं तिल रखने की जगह नहीं बची। आधी रात से ही पौष पूर्णिमा की प्रथम डुबकी का शुभारंभ हो गया। इसी के साथ संगम की रेती पर जप, तप और ध्यान की वेदियां सजाकर मास पर्यंत यज्ञ-अनुष्ठानों के साथ कल्पवास भी आरंभ हो गया।

### सभी रास्तों पर भक्तों की भीड़

संगम पर एंट्री के सभी रास्तों पर भक्तों की भीड़ है। वाहनों की एंट्री बंद है। श्रद्धालु बस और रेलवे स्टेशन से 10-12 किलोमीटर पैदल चलकर संगम पहुंच रहे हैं। 60 हजार जवान सुरक्षा और व्यवस्था संभालने में लगे हैं। पुलिसकर्मी स्पीकर से लाखों की संख्या में आई भीड़ को मैनेज कर रहे हैं। जगह-जगह कमांडो और पैरामिलिट्री फोर्स के जवान भी तैनात हैं।

### 800 से अधिक सांस्कृतिक कार्यक्रम होंगे

यूनेस्को की विश्व धरोहर सूची में दर्ज महाकुंभ को केंद्र और प्रदेश की सरकारें विश्व समुदाय के समक्ष अद्भुत रूप में प्रस्तुत करना चाह रही हैं। मेला क्षेत्र में रोजाना 800 से अधिक सांस्कृतिक कार्यक्रम होंगे। पहली बार 10 लाख वर्ग फीट में दीवारें पेंट की गई हैं। जानकारी के मुताबिक, कुंभनगरी में सबसे ज्यादा फोकस सेक्टर-18 पर रखा गया है। यहां वीआईपी गेट भी बनाया गया है। इस पॉइंट पर 72 देशों के ध्वज लगे हुए हैं, जिनके नुमाइंदे भी मेले में शामिल होने के लिए आ रहे हैं।

**सांध्यप्रकाश विशेष**

## जबलपुर हाईकोर्ट का बड़ा फैसला, दुष्कर्म पीड़िता को बच्चा सौंपने की अनुमति

**जबलपुर।** मध्य प्रदेश हाईकोर्ट ने एक महत्वपूर्ण निर्णय लिया है और दुष्कर्म पीड़िता को नवजात बच्चे की कस्टडी देने की अनुमति प्रदान की है। पिछले महीने, कोर्ट ने पीड़िता की मांग पर गर्भपात की अनुमति दी थी, और ऑपरेशन के बाद स्वस्थ बच्चे का जन्म हुआ। इसके बाद

पीड़िता और उसके परिजनों ने आवेदन किया था कि वे बच्चे को पालना चाहते हैं। कोर्ट ने शनिवार को विशेष बेंच गठित कर इस मामले की सुनवाई की। जस्टिस एके सिंह की विशेष एकलपीठ ने दुष्कर्म पीड़िता को नवजात शिशु की कस्टडी देने का आदेश दिया। कोर्ट ने राज्य शासन को निर्देश दिए कि वह पीड़िता और उसके परिवार को हर संभव मदद प्रदान करे। कोर्ट ने स्पष्ट किया कि शिशु की मां से बेहतर कोई और उसे नहीं देख सकता, और यदि वह बच्चे की देखभाल करना चाहती है तो यह दोनों के हित में है।

## समस्याग्रस्त मणिपुर राज्य के मुख्य सचिव बने 1993 बैच के आईएएस अधिकारी प्रशांत कुमार सिंह

**नई दिल्ली।** भारतीय प्रशासनिक सेवा में 1993 बैच के अधिकारी प्रशांत कुमार सिंह को समस्या ग्रस्त मणिपुर राज्य का नया मुख्य सचिव नियुक्त किया गया है।

बता दे कि विनीत जोशी (आईएएस 1992) की उच्च शिक्षा सचिव के रूप में नियुक्ति के बाद मणिपुर के मुख्य सचिव का पद खाली था। केंद्र की मंजूरी के बाद, मणिपुर सरकार ने नवीन एवं नवीकरणीय ऊर्जा मंत्रालय के सचिव प्रशांत कुमार सिंह को राज्य का नया मुख्य सचिव नियुक्त किया।

प्राप्त जानकारी के अनुसार सरकार ने मुख्य सचिव के पद पर तीन वरिष्ठ आईएएस अधिकारियों - प्रशांत कुमार सिंह (आईएएस 1993), राजेश अग्रवाल (आईएएस1994) और विवेक कुमार देवांगन (आईएएस1993) का पैनल तैयार किया था जिसमें से प्रशांत कुमार सिंह का चयन केंद्र सरकार ने किया।

## डॉलर के मुकाबले 23 पैसे टूटा रुपया, अब तक का सबसे निचला स्तर

**नई दिल्ली।** भारतीय अर्थव्यवस्था के लिए सोमवार को एक चिंताजनक खबर सामने आई है, डॉलर के मुकाबले रुपया काफी कमजोर हो गया है, अब वो अपने निचले स्तर

पर पहुंच चुका है। 23 पैसे टूटकर रुपया डॉलर के मुकाबले 86.27 हो गया है।

इसके असर से शेयर बाजार भी खुलते ही बड़ा गोता लगाया है, मार्केट क्रैश हो गया है। एक तरफ सेंसेक्स 830 तो निफ्टी 247 प्वाइंट गिर गया है। सेंसेक्स आज जब खुला, आंकड़ा 77,378.91 चल रहा था, यानी कि तब 749.01 अंक की गिरावट देखने को मिली, लेकिन कुछ ही मिनटों में वहीं गिरावट सीधे 76,535 तक जा पहुंची, गोता 834 अंक का लगा।

# पीएम मोदी ने जेड मोड़ टनल का उद्घाटन किया

**श्रीनगर।** प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने सोमवार को जम्मू-कश्मीर के गांदरबल में जेड मोड़ टनल का उद्घाटन किया। श्रीनगर-लेह हाइवे एनएच-1 पर बनी 6.4 किलोमीटर लंबी डबल लेन टनल श्रीनगर को सोनमर्ग से जोड़ेगी। बर्फबारी की वजह से यह हाइवे 6 महीने बंद रहता है। टनल बनने से लोगों को ऑल वेदर कनेक्टिविटी मिलेगी।

जम्मू और कश्मीर के सोनमर्ग में जेड-मोड़ सुरंग का उद्घाटन करने के बाद प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने सुरंग का निरीक्षण किया। पीएम मोदी ने टनल का निर्माण करने वाली टीम से बात

की। टीम ने सुरंग के बारे में जानकारी दी। साथ ही बताया कि उन्हें किन कठिनाइयों का सामना करना पड़ा। इस दौरान केंद्रीय मंत्री नितिन गडकरी, सीएम उमर अब्दुल्ला और एलजी मनोज सिन्हा भी मौजूद हैं।

श्रीनगर-लेह हाइवे पर गगनगीर से सोनमर्ग के बीच पहले 1 घंटे से ज्यादा समय लगता था। इस टनल के कारण अब यह दूरी 15 मिनट में पूरी हो सकेगी। इसके अलावा गाड़ियों की स्पीड भी 30 किमी/घंटा से बढ़कर 70 किमी/घंटा हो जाएगी। दुर्गम पहाड़ी वाले इस इलाके को क्रॉस करने में पहले 3 से 4 घंटे का समय लगता था। अब यह दूरी मात्र 45 मिनट में पूरी होगी। टूरिज्म के अलावा देश की सुरक्षा के लिए भी यह प्रोजेक्ट अहम है। इससे लद्दाख तक सेना की पहुंच आसान होगी। यानी बर्फबारी के समय जो सामान सेना को एयरफोर्स के विमान में लेकर जाना पड़ता था, अब वह सड़क मार्ग से ही कम खर्च में पहुंच सकेगा।

# मध्य प्रदेश के धार्मिक शहरों में शराबबंदी पर विचार: मोहन यादव

**भोपाल।** मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा है कि राज्य सरकार नीति में सुधार कर, धार्मिक नगरों से शराबबंदी लागू करने पर विचार कर रही है। इस संबंध में साधु-संतों द्वारा दिए गए सुझावों पर राज्य सरकार गंभीर है। धार्मिक नगरों का वातावरण प्रभावित होने संबंधी शिकायतें प्राप्त होती रहती हैं। हमारा प्रयास है कि इन नगरों की पवित्रता अक्षुण्ण रहे। वित्तीय वर्ष पूर्णता की ओर है, अतः राज्य सरकार जल्द ही निर्णय लेकर इस दिशा में ठोस कदम उठाएगी।

सीएम डॉ. मोहन यादव ने कहा कि साधु-संत मध्य प्रदेश के धार्मिक शहरों में शराबबंदी की लगातार मांग उठा रहे हैं। प्रदेश सरकार इस पर विचार कर रही है। इसके लिए सरकार को अपनी शराब नीति में संशोधन करना होगा। सीएम का कहना है कि बजट सत्र अब करीब है, ऐसे में इस सत्र के दौरान इस पर कोई बड़ा फैसला आ सकता है। सीएम डॉ. मोहन यादव ने यह भी साफ किया कि साधु-संतों द्वारा प्रदेश के धार्मिक शहरों में शराबबंदी की मांग को लेकर सरकार बहुत गंभीर है। सरकार इस पर विचार कर रही है और जल्द ही इसको लेकर निर्णय सामने आएगा।

### सिंहस्थ 2028 में क्षिप्रा नदी के जल से ही होगा स्नान

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा है कि प्रसन्नता का विषय है कि सिंहस्थ 2028 में सम्मानीय साधु-संत पवित्र क्षिप्रा जी के जल से ही स्नान करेंगे। हमारा सौभाग्य है कि केन्द्रीय जल शक्ति मंत्री श्री सी.आर. पाटिल 614 करोड़ 53 लाख रूपए की लागत से निर्मित होने वाली सेवरखेड़ी-सिलारखेड़ी परियोजना का भूमिपूजन करने उज्जैन पधार रहे हैं। संतोष का विषय है कि राज्य सरकार पुण्य सलिला क्षिप्रा जी के जल से सिंहस्थ में स्नान की व्यवस्था की दिशा में ठोस कदम उठा पाई। परियोजना के क्रियान्वयन से क्षिप्रा नदी निर्मल और निरंतर प्रवाहमान होगी इससे सभी त्योहार-पर्वों पर हमारा यह प्रमुख तीर्थ वर्षभर जीवंत रहेगा। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने बताया कि क्षिप्रा नदी में जल की मात्रा सीमित रहती है, साथ ही बरसाती नदी होने के कारण जल का भंडारण भी कठिन होता है। परिणामस्वरूप वर्ष 1980, 1992 और 2004 में हुए सिंहस्थ में गंभीर नदी के जल से स्नान की व्यवस्था की गई और वर्ष 2016 में नर्मदा जी के जल से स्नान कराया गया। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने निवास से मीडिया को जारी संदेश में यह जानकारी दी।

# भाजपा: रविंद्र यति भोपाल और सुमित मिश्रा इंदौर के अध्यक्ष बन सकते हैं!

**भोपाल।** मध्य प्रदेश में बीजेपी जिला अध्यक्षों का इंतजार खत्म हो गया है। पार्टी ने जिलाध्यक्षों की घोषणा शुरू कर दी है। रविवार की रात दो जिलाध्यक्षों का ऐलान किया गया था। बताया जा रहा है कि आज भी कई जिलों में ऐलान हो सकता है। भोपाल बीजेपी जिला अध्यक्ष के लिए रविंद्र रति तो वहीं इंदौर से सुमित मिश्रा का नाम लगभग तय मना जा रहा है। कुछ ही देर में इसकी घोषणा हो सकती है।

एमपी में करीब एक महीने चली सियासी हलचल के बाद आखिरकार भाजपा जिला अध्यक्षों के नाम का ऐलान शुरू हो गया है। जिला अध्यक्षों की घोषणा का सिलसिला सीएम डॉ. मोहन यादव के गृह नगर उज्जैन से शुरू हुआ। जहां मुख्यमंत्री के करीबी बताए जाने वाले संजय अग्रवाल को कमान सौंपी गई है। वहीं विदिशा में केंद्रीय कृषि मंत्री शिवराज सिंह चौहान के करीबी महाराज सिंह दांगी को नया जिला अध्यक्ष बनाया गया हैं।

### सेंसेक्स में करीब 800 अंक की गिरावट

**मुंबई।** अंक की गिरावट देखने को मिल रही है। ये 76,600 के स्तर पर कारोबार कर रहा है। निफ्टी में भी 250 अंक से ज्यादा की गिरावट है, ये 23,150 पर कारोबार कर रहा है। सेंसेक्स के 30 शेयरों में से 5 में तेजी जबकि बाकी 25 में गिरावट है। वही, निफ्टी के 50 शेयरों में से 6 में तेजी और 44 में गिरावट है। ह्स्श्व सेक्टोरल इंडेक्स में रियल्टी सेक्टर सबसे ज्यादा 2.91त्न की गिरावट के साथ कारोबार कर रहा है।

## देवजीत सैकिया बने जय शाह के उत्तराधिकारी, बीसीसीआई के सचिव बने

**नई दिल्ली।** देवजीत सैकिया बीसीसीआई के सेक्रेटरी बने हैं, जबकि प्रभतेज सिंह भाटिया को कोषाध्यक्ष चुना गया। दोनों रविवार को बीसीसीआई की स्पेशल जरनल मीटिंग में

निर्विरोध चुने गए। सैकिया और भाटिया ने पिछले हफ्ते नामांकन भरा था। उनके अलावा किसी और ने नॉमिनेशन फॉर्म नहीं भरा।

सैकिया ने पिछले महीने दिसंबर में पूर्व सचिव जय शाह की जगह संभाली थी। उन्हें इंटरिम सेक्रेटरी बनाया गया था। जय शाह आईसीसी के चेयरमैन बनाए गए हैं, इस वजह से उन्होंने बीसीसीआई सचिव पद छोड़ दिया था।

## आर्मी चीफ बोले- कश्मीर में 80 प्रतिशत एक्टिव आतंकी पाकिस्तानी

**नई दिल्ली।** आर्मी चीफ जनरल उपेंद्र द्विवेदी ने सोमवार को कहा कि जम्मू-कश्मीर में फिलहाल एक्टिव आतंकियों में से 80 प्रतिशत पाकिस्तान बेस्ड आतंकी हैं। 2024 में ढेर हुए आतंकियों में से भी 60 प्रतिशत पाकिस्तानी थे। घाटी में फिलहाल स्थिति कंट्रोल में है। जनरल उपेंद्र द्ववेदी ने पहली बार प्रेस कॉन्फ्रेंस की। इसमें उन्होंने देश की सभी सीमाओं पर सुरक्षा को लेकर चर्चा की। उन्होंने चीन बॉर्डर, म्यांमार बॉर्डर के अलावा मणिपुर हिंसा को लेकर आर्मी की तैयारियों के बारे में बताया। द्विवेदी ने कहा- जम्मू-कश्मीर और लद्दाख में हम धीरे-धीरे टेररिज्म से टूरिज्म की ओर बढ़ रहे हैं। लाइन ऑफ एक्चुअल कंट्रोल पर स्थिति संवेदनशील है, लेकिन कंट्रोल में है। मणिपुर में हिंसा की घटनाएं जारी हैं, लेकिन हम शांति बहाली की कोशिश कर रहे हैं।

# यूपी में घना कोहरा, 67 ट्रेनें 10 घंटे तक लेट

**नई दिल्ली।** देश के उत्तरी और मध्य भारत के राज्यों में पारा लगातार गिर रहा है। इसके साथ ही घने कोहरे का भी असर देखने को मिल रहा है। यूपी के 64 जिलों में घने कोहरे के कारण विजिबिलिटी 50 मीटर तक गिर गई। इससे 67 ट्रेनें 10 घंटे देरी से पहुंचीं। महोबा में ठंड के कारण एक युवक की मौत हो गई।

दिल्ली में भी कई ट्रेन और कुछ फ्लाइट विजिबिलिटी घटने के कारण लेट हुईं। तमिलनाडु में चेन्नई एयरपोर्ट पर भी फ्लाइट अपने निर्धारित समय पर नहीं उड़ सकीं। हिमाचल में बर्फबारी के कारण कई शहरों में तापमान में गिरावट दर्ज की गई है। शिमला का अधिकतम तापमान पिछले 48 घंटों में 11.4 डिग्री गिरकर 5.6 डिग्री रिकॉर्ड किया गया। बिहार के पटना समेत 4 जिलों और राजस्थान के जयपुर समेत 19 जिलों में आठवीं क्लास तक की छुट्टी घोषित कर दी गई है।

## इंडिया ब्लॉक में तालमेल की कमी: संजय राउत

**मुम्बई।** शिवसेना उद्धव गुट के सांसद संजय राउत ने सोमवार को कहा कि विपक्षी इंडिया गठबंधन में तालमेल की कमी है। लोकसभा चुनाव के बाद गठबंधन में शामिल दलों की एक भी बैठक नहीं हुई है। गठबंधन में सबसे बड़े दल होने के नाते कांग्रेस को ये काम करना चाहिए। राउत ने कांग्रेस पर विपक्षी गठबंधन में शामिल दलों को कमजोर करने का भी आरोप लगाया। उन्होंने कहा- कांग्रेस इंडिया ब्लॉक के दूसरे दलों के खिलाफ चुनाव लड़कर उन्हें कमजोर कर रही है।

# विद्यार्थी परिषद ने राष्ट्रीय युवा दिवस के उपलक्ष्य में साप्ताहिक कार्यक्रम आयोजित किया






सांध्य प्रकाश संवाददाता ● भोपाल

अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद मध्य भारत प्रांत ने राष्ट्रीय युवा दिवस के उपलक्ष्य में 5 से 12 जनवरी तक साप्ताहिक कार्यक्रमों का आयोजन किया। इन कार्यक्रमों का मुख्य उद्देश्य युवाओं को स्वामी विवेकानंद के प्रेरणादायक विचारों और आदर्शों से जोड़ना था। इस दौरान पूरे प्रांत में विविध गतिविधियों का आयोजन हुआ। कई जिलों में शोभायात्रा निकाली गई। संगोष्ठियों में युवाओं को स्वामी विवेकानंद के विचारों से प्रेरित किया गया। मेडिकल कैंप लगाए गए, जिनमें लोगों को स्वास्थ्य सेवाएं प्रदान की गईं। चित्रकला प्रतियोगिता, भाषण प्रतियोगिता और अन्य रचनात्मक कार्यक्रमों में छात्रों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। भोपाल के विभिन्न स्थानों पर मेडिकल कैंप आयोजित किए गए, जिनमें बड़ी संख्या में लोग लाभान्वित हुए वहीं भिंड जिले में भव्य तिरंगा यात्रा निकाली गई जिसमें 5000 छात्रों ने सहभागिता की। राजगढ़ विभाग में साप्ताहिक प्रतियोगिताओं का आयोजन किया जिसके पश्चात शोभायात्रा निकालकर पुरस्कार वितरण का मंचीय कार्यक्रम का आयोजन किया गया। अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद का यह प्रयास युवाओं के व्यक्तित्व विकास के साथ-साथ समाज में जागरूकता बढ़ाने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है। परिषद निरंतर ऐसे कार्यक्रमों के माध्यम से युवाओं को देश की सेवा और सामाजिक योगदान के लिए प्रेरित करती रहेगी।




## 9/11 को युवा पीढ़ी को लादेन नहीं, स्वामी विवेकानंद के नाम से जानना चाहिए: श्रीवास्तव



सांध्य प्रकाश संवाददाता ● भोपाल

विवेकानंद केन्द्र कन्याकुमारी, मध्यप्रांत, भोपाल द्वारा 12 जनवरी 2025 को स्वामी विवेकानंद की 162 वीं जयंती के अवसर पर कई महाविद्यालयों में स्वामी विवेकानंद के विचारों को लेकर कार्यक्रम किए गए। मसलन, राज्य विधि महाविद्यालय, सरोजिनी नायडू कन्या महाविद्यालय, मोतीलाल विज्ञान महाविद्यालय आदि में कार्यक्रम किए गए। वहीं मौलाना आजाद राष्टीय तकनीकी संस्थान के छात्रों के ने योग किया। विवेकानंद केंद्र पर भी कार्यक्रम किए गए। भारत माता पूजन भी केंद्र कार्यालय पर किया गया। कार्यक्रम में मुख्य वक्ता विभाग अमृत परिवार प्रमुख अमिताभ श्रीवास्तव ने कहा कि स्वामी विवेकानंद ऐसे व्यक्तित्व थे, जिनसे नेताजी सुभाषचंद्र बोस से लेकर कई बड़े-बड़े क्रांतिकारी भी उनसे प्रेरित रहे। आज पूरा विश्व भारत की ओर देख रहा है। इसका सबसे बड़ा श्रेय अगर किसी को जाता है, तो वे हैं स्वामीजी। उन्होंने कहा मेरा विचार स्पष्ट है—सारे रास्ते का मार्ग भगवान की ओर जाता हैं। आज के समय लोग 9/11 को लादेन के नाम से जानते हैं, लेकिन असल में हमें अपनी युवा पीढ़ी को, 9/11 को शिकागो की धर्म संसद में दिए गए स्वामी विवेकानंद के ऐतिहासिक भाषण के बारे में बताना चाहिए। स्वामी विवेकानंद को विवेकानंद केन्द्र के माध्यम से भी जान सकते हैं । सभी युवा उनसे प्रेरित होकर अपना अच्छा भविष्य बनाएँ और राष्ट्र-निर्माण के कार्य में अपनी महती भूमिका निभाएँ।

## यादव समाज का सम्मेलन आयोजित, 400 युवक-युवतियों ने दिया मंच से परिचय



**भोपाल।** प्रतिवर्ष की तरह इस वर्ष भी राजधानी यादव समाज,भोपाल के तत्वावधान में वर्ष 2025 का युवक-युवती परिचय सम्मेलन, स्मारिका विमोचन एवं प्रतिभा सम्मान समारोह सुभाष यादव समन्वय भवन, न्यू मार्केट में सम्पन्न हुआ। जिसमें मध्यप्रदेश के अलावा राजस्थान व गोवा से आये यादव समाज के परिजनों ने पुत्र / पुत्रियों के लिये योग्य वर-वधु का परिचय प्राप्त किया।

सम्मेलन में लड़कों व लड़कियों ने अपना परिचय बेबाकी से दिया। इस अवसर पर अच्छे जीवन साथी की तलाश में 400 युवक व युवतियों तथा उनके परिजनों ने परिचय प्राप्त किया। गोवा से पधारे साकेत यादव जो कि गोवा एयरपोर्ट अथारिटी, गोवा में असिस्टेंट मैनेजर पद पर कार्यरत है, खुले विचारों वाली व परिवार को साथ लेकर चलने वाली जीवन साथी की चाह रखी। राजस्थान की कु. पारस अहीर ,जो कि बैंगलौर में जॉब कर रही है, ने संयुक्त परिवार व समाज के प्रति समर्पित भाव वाला जीवन साथी की अपेक्षा की। ग्वालियर से पधारी नम्रता यादव जो कि सोलर ग्रुप में कार्य करती है, ने लगभग समान विचारों, परिवार व जॉब में भी खुले विचारों से साथ देने वाला जीवन साथी की बात रखी। राजधानी यादव समाज के अध्यक्ष राम स्वरूप यादव ने समाज के लिए परिचय सम्मेलन की आवश्यकता पर प्रकाश डाला। उन्होंने कहा कि परिचय सम्मेलन एक माध्यम है, जिससे आप विवाह योग्य युवक-युवतियों से एक मंच पर रूबरू हो सकते हो। ऐसे सम्मेलन हर जिले में होना चाहिए । राजधानी में सभी के सहयोग से बन रही धर्मशाला व मंदिर की जानकारी देते हुए बताया कि धर्मशाला का निर्माण चल रहा है, जिससे समाज को भोपाल में कार्यक्रम के लिए अपना भवन हो जायेगा। मृत्यु भोज यानि तेरवी पर समाज को पाबंदी लगना चाहिए। परिचय सम्मेलन में परिचय पुस्तिका का विमोचन अतिथियों द्वारा किया गया। इस अवसर पर डॉ. बी.एस. यादव हृदय रोग विशेषज्ञ, आर.एल.एस. यादव पूर्व डी.जी.पी. छत्तीसगढ़, रोहन सिंह यादव, कृष्णा मर्केन्टाईल्स बैंक, तोरण सिंह यादव समाजसेवी, कंवर सिंह यादव समाजसेवी तथा रेनू यादव पूर्व मिस इंडिया को सम्मानित किया गया। कार्यक्रम में विशेष रूप से सचिन यादव, विधायक एवं पूर्व मंत्री, हर्ष यादव पूर्व मंत्री, राजेन्द्र सिंह अध्यक्ष यादव समाज (यदुवंशी) समाज, महेन्द्र सिंह यादव पूर्व अध्यक्ष बीज विकास निगम, राव राजकुमार सिंह पूर्व विधायक, विनोद यादव मिलेनियम कालेज, जगदीश यादव पार्षद, योगेन्द्र सिंह मंडलोई कार्यकारी अध्यक्ष, अ.भा. यादव महासभा,निरपंद्र यादव,यादव बिल्डर्स सहित अनेक गणमान्य समाजसेवी उपस्थित रहे।

## 17 से शुरू होगा हनुमान महाराज और श्रीराम दरबार मूर्ति प्राण प्रतिष्ठा का महोत्सव

**संत हिरदाराम नगर।** संत नगर सैनिक कॉलोनी स्थित नुक्कड़ वाली माता मंदिर पर 17 जनवरी से 22 जनवरी तक आयोजित होने वाले हनुमान महाराज और श्रीराम दरबार मूर्ति प्राण प्रतिष्ठा महोत्सव को लेकर तैयारियां तेजी से चल रही है। मंदिर का निर्माण कार्य पूरा कर लिया गया है और यज्ञ शाला भी बनकर तैयार हो गई है, जहां पर रविवार को विधि विधान से शिखर स्थापित किया गया। पंडित रवि पटेरिया ने बताया कि हनुमान महाराज की प्रतिमा जयपुर और श्रीराम दरबार की प्रतिमा इन्दौर से लाई गई है। मंदिर निर्माण का कार्य पूरा कर लिया गया है। जगह-जगह से साधु संत व कथा वाचक, मंदिरों के पुजारी प्राण प्रतिष्ठा महोत्सव में शामिल रहेंगे। अयोध्या, वृंदावन धाम, उज्जैन से भी संत महात्मा कार्यक्रम में शामिल होंगे। उन्होंने बताया कि 17 जनवरी को सुबह 9 बजे सर्व प्रायश्चित दशविधि स्नान, श्री विष्णु पूजन, 9 कन्याओं द्वारा कलश यात्रा पंचाग पूजन, अचार्य ब्राम्हण वरण, मण्डप प्रवेश, कुर्मकुटी जलाधिवास होगा। 18 जनवरी को मण्डप देवता आहवान, पूजन मूर्ति अधिवासन धन्याधिवास, घृताधिवास, शर्कराधिवास, अन्नाधिवास, पुष्पाधिवास, फलाधिवास, सर्व औषधिवास होगा। 19 जनवरी को आवाहित देवता पूजन, प्रधानदेवता, शांति होम, वस्त्राधिवास, मूर्तिमहास्नापन सहस्त्रकलशों द्वारा अभिषेक, शाम को रथ यात्रा, नगर भ्रमण, महान्यास, शैयाधिवास किया जाएगा।

## यंगस्टर्स ग्रुप द्वारा 19 जनवरी को रक्तदान शिविर

**संत हिरदाराम नगर।** संत नगर के कैलाश नगर सीटीओ स्थित विकान पार्क में 19 जनवरी को विशाल रक्तदान शिविर लगेगा। जिसमें हमीदिया अस्पताल की ब्लड बैंक टीम रक्तदान कराएगी। रक्तदान का समय सुबह 11 बजे से दोपहर 3 बजे तक रहेगा। इस दौरान विधायक रामेश्वर शर्मा, पार्षद कुसुम चतुर्वेदी मौजूद रहेंगे। यंगस्टर्स ग्रुप के सदस्यों ने बताया कि ब्लड यानी खून एक ऐसी चीज है जिसे बनाया ही नहीं जा सकता। इसकी आपूर्ति का कोई और विकल्प भी नहीं है। यह इंसान के शरीर में स्वयं ही बनता है। कई बार मरीजों के शरीर में खून की मात्रा इतनी कम हो जाती है कि उन्हें किसी और व्यक्ति से ब्लड लेने की आवश्यकता पड़ जाती है। ऐसी ही इमरजेंसी स्थिति में खून की आपूर्ति के लिए लोगों को रक्तदान के लिए आगे आना चाहिए। रक्तदान कोई साधारण दान नहीं है यह पुण्य प्राप्त करने का एक ऐसा माध्यम है जिससे जरूरतमंद लोगों की जिंदगी बचाई जाती है। हम सभी रक्तदान करके तथा दूसरों को भी ऐसा करने के लिए प्रोत्साहित करके बदलाव ला सकते हैं।

## संत हिरदाराम गर्ल्स कॉलेज की छात्राओं का फण्ड्स ऑडिट, पुणे में चयन

**संत हिरदाराम नगर।** संत हिरदाराम गर्ल्स कॉलेज और फण्ड्स ऑडिट, पुणे, के संयुक्त तत्वावधान में अपने मार्केटिंग एनालिस्ट इन्टर्न पद के लिए साक्षात्कार प्रक्रिया का आयोजन किया गया। इस प्रक्रिया में कुल 35 छात्राओं ने भाग लिया, जिनमें से नौ छात्राओं का चयन किया गया है। चयनित छात्राओं में कर्तिका सोलंकी, माही रामचंदानी, शिवांगी भावसार, साक्षी लिटोरिया, कीर्ति कुशवाहा, जिया अजवानी प्राची यादव, प्रिंसी यादव, हिमांद्री सोनी है। चयन प्रक्रिया टेलीफोनिक इंटरव्यू के माध्यम से आयोजित की गई, जिसमें छात्रों से सोशल मीडिया मार्केटिंग, मनी मैनेजमेंट, एसईओ रिपोर्ट, और कैश फ्लो जैसे विषयों पर सवाल पूछे गए। चयनित छात्राओं को मार्केटिंग एनालिस्ट इन्टर्न के रूप में काम करने का अवसर मिलेगा। इस भूमिका के तहत उन्हें डिजिटल मार्केटिंग, डेटा विश्लेषण, और व्यवसायिक रणनीतियों के विकास में योगदान देंगी। इस अवसर पर महाविद्यालय की प्राचार्य डॉ. डालिमा पारवानी ने कहा कि यह हमारे लिए गर्व की बात है कि हम युवा प्रतिभाओं को उनके कौशल और ज्ञान को निखारने का मौका दे रहे हैं। हमें विश्वास है कि ये छात्राएं एक नई ऊर्जा और इनोवेशन लाएंगे।

## एमसीयू सिनेमा विभाग के छात्रों ने रायसेन किले का भ्रमण किया

**भोपाल/रायसेन।** माखनलाल चतुर्वेदी राष्ट्रीय पत्रकारिता एवं संचार विश्वविद्यालय (एमसीयू) के सिनेमा अध्ययन विभाग के छात्रों ने ऐतिहासिक रायसेन किले का दौरा किया। इस दौरे का मुख्य उद्देश्य पर्यटन को बढ़ावा देने के लिए किले पर एक डॉक्यूमेंट्री फिल्म तैयार करना था। छात्रों के इस दल में आदित्य कुमार चौरसिया, अभय भारती, अनुराग जोध, फैज़ खान, और सनी ओबेरॉय शामिल थे। इन छात्रों ने किले की भव्यता और ऐतिहासिक महत्व को कैमरे में कैद किया। आदित्य कुमार चौरसिया ने बताया। हमारा उद्देश्य रायसेन किले की खूबसूरती और सांस्कृतिक महत्व को डॉक्यूमेंट्री के जरिए दुनिया के सामने लाना है, ताकि अधिक से अधिक पर्यटक यहां आ सकें।

**तकनीक और कला का अद्भुत संगम:** भ्रमण के दौरान, आदित्य ने पैनोरमा तकनीक का इस्तेमाल करते हुए किले की एक उच्च-गुणवत्ता वाली तस्वीर तैयार की। यह तस्वीर 99 अलग-अलग शॉट्स को जोड़कर बनाई गई, जिसका रिज़ॉल्यूशन 22104×5841 है। यह छवि किले की भव्यता को बेहद सटीकता और खूबसूरती से दर्शाती है। आदित्य ने कहा हमने यह छवि किले के हर पहलू को एक नए दृष्टिकोण से दिखाने के लिए बनाई है। यह तस्वीर न केवल तकनीकी कौशल का प्रदर्शन है, बल्कि किले की ऐतिहासिक और सांस्कृतिक धरोहर को संरक्षित करने का प्रयास भी है।

**किले की भव्यता और महत्व:** डॉक्यूमेंट्री की शूटिंग के दौरान छात्रों ने किले की सुंदरता और उसकी अनमोल विरासत को अपने सिनेमाई दृष्टिकोण से प्रस्तुत किया। उन्होंने बताया कि यह किला मध्य प्रदेश की ऐतिहासिक धरोहर का अहम हिस्सा है, और इसे और अधिक पर्यटकों के लिए आकर्षक और सुविधाजनक बनाने के प्रयास किए जा रहे हैं।

**पर्यटन को मिलेगा बढ़ावा:** डॉक्यूमेंट्री फिल्म के जरिए छात्रों का उद्देश्य न केवल रायसेन किले की सुंदरता को प्रदर्शित करना है, बल्कि लोगों को इसके ऐतिहासिक महत्व से भी अवगत कराना है। छात्रों ने कहा हमारी डॉक्यूमेंट्री किले को नए दृष्टिकोण से दिखाएगी, जिससे पर्यटक इसके इतिहास और भव्यता को सराहेंगे।

**युवाओं की पहल से प्रेरणा:** यह पहल यह साबित करती है कि युवा अपनी रचनात्मकता और तकनीकी कौशल के जरिए हमारी सांस्कृतिक धरोहरों के संरक्षण में अहम भूमिका निभा सकते हैं।

## क्विक हिल फाउंडेशन और सेवा भारती मध्य भारत द्वारा सायबर सिक्युरिटी पर जागरूकता हेतु नुक्कड़ नाटक



**भोपाल।** ऑनलाइन ठगी और फ्रॉड से बचाव हेतु राजधानी में साइबर जागरूकता सप्ताह, क्विक हिल फाउंडेशन और सेवा भारती मध्य भारत द्वारा नुक्कड़ नाटकों के जरिए मनाया जा रहा है जिसमें नागरिकों ओटीपी शेअर ना करना,सोशल मीडिया का निर्धारित समय में ही उपयोग,अपने फोटो एचडी क्वालिटी में पोस्ट ना करने,फेक लिंक, फेक मेसेज, फेक कॉल ना उठाये. सेक्सटॉरशन, डिजीटल अरेस्ट से कैसे बचे आदि प्रमुख है सेवा भारती महानगर के मीडिया प्रभारी भगवान दास ढालिया ने बताया नुक्कड नाटक मे कलाकारों द्वारा आसान भाषा में मनोरंजन के साथ स्कूल, कॉलेज, मंदिर, मार्केट और चौराह चौराह पे नाट्य कर्मी योगेश शेट्ये, संदिप शिंगदाणे, कृष्णा सकपाळ, कृष्णा नवले, निलेश माने और गौरव निमकर आदि ने आमजनो को नाटक के माध्यम से साइबर फ्रॉड और उससे बचाव हेतु, रामेंद्र सिंह राष्ट्रीय कार्यकारिणी सदस्य, राष्ट्रीय सेवा भारती, सुरेंद्र सिंह सोलंकी सेवा भारती, संगठन मंत्री, मध्यभारत प्रांत, विमल त्यागी, प्रांतीय सचिव, राज नारायण अग्निहोत्री, प्रांतीय कोषध्यक्ष, गणेश सिंह प्रांतीय प्रबंधक आदि के मार्गदर्शन में जागरूक कर रहे है।

## संस्कार स्कूल में स्वामी विवेकानन्द की जयंती हर्षोल्लास के साथ मनाई

### संस्कार विद्यालय के 350 बच्चे स्वामी विवेकानन्द के स्वरूप में शामिल हुए





**संत हिरदाराम नगर।** दीपमाला पागारानी संस्कार पब्लिक स्कूल में मानवता का संदेश देने वाले युगपुरूष स्वामी विवेकानन्द की जयंती बड़े हर्षोल्लास के साथ मनाई गई।

इस अवसर पर विद्यालय के 350 विद्यार्थी स्वामी विवेकानन्द के स्वरूप में उपस्थित हुए। कार्यक्रम का शुभारंभ मुख्य अतिथि हुजूर विधायक रामेश्वर शर्मा, विशेष अतिथि समाज सेवी दीपक लालचन्दानी, संस्था के अध्यक्ष सुशील वासवानी, सचिव बसंत चेलानी, कोषाध्यक्ष चन्दर नागदेव, शिक्षाविद् विष्णु गेहानी, घनश्याम थारानी द्वारा माँ सरस्वती, स्वामी विवेकानन्द एवं संत शिरोमणी हिरदाराम साहिब की प्रतिमा पर माल्यार्पण एवं दीपप्रज्जवलन कर किया गया। बसंत चेलानी ने कहा कि संस्कार विद्यालय आज स्वामी विवेकानन्दमय हो गया है आज विद्यालय के लगभग 350 विद्यार्थी विवेकानन्द वेशभूषा में आए हैं उन्होंने कहा कि महापुरूषों की जीवनियां हमें याद दिलाती है कि हम भी उनके पदचिन्हों पर चलकर हम भी महापुरूष बन सकते है। रामेश्वर शर्मा ने कहा कि स्वामी विवेकानन्द ने गुलाम भारत को स्वाभिमान के साथ विश्व में उपस्थिति दिलाई थी और ये साबित किया था कि सात समंदर पार करके भी भारत महान है और भारतवासी महान है। स्वामी विवेकानन्द ने सपना देखा था कि 21वीं शताब्दी भारत की होगी और भारत विश्वगुरू बनेगा और वर्तमान समय में जो शताब्दी चल रही है वह भारत की है। शिक्षाविद् विष्णु गेहानी ने कहा इतनी बड़ी संख्या में स्वामी विवेकानन्द स्वरूप को देखकर मन प्रफुल्लित हो गया। उन्होंने कहा कि जीवन में हमें सार्थक रूप से जीना चाहिए बच्चों आपको भी स्वामी विवेकानन्द से प्रेरणा लेकर अपने जीवन को सार्थक बनाना है।

## थाना बिलखिरिया में चोरी गई 11 लाख की मैगी को छिपाने वाले आरोपी गिरफ्तार

भोपाल। थाना बिलखिरिया में 11 लाख रुपये की मैगी चोरी मामले में पुलिस ने बड़ा खुलासा किया है। मामले में चोरी की मैगी छिपाने और बेचने वाले कई आरोपियों को गिरफ्तार किया गया है।

दिनांक 17 दिसंबर 2024 को शब्बीर खान ने थाना बिलखिरिया में रिपोर्ट दर्ज कराई थी। शब्बीर ने बताया कि उनकी गाड़ी (नंबर स्क्क-04- ॥श्व-3037) में ड्राइवर रहीश मियां ने 1661 कार्टन मैगी गुजरात से उड़ीसा ले जाने के लिए लोड किए थे। लेकिन रहीश ने गाड़ी को भोपाल ले आकर माल गायब कर दिया।

फास्टैग की जानकारी से पता चला कि गाड़ी भोपाल में थी। 4 दिसंबर 2024 को गाड़ी को ट्रांसपोर्ट नगर, कोकता में बरामद किया गया, लेकिन मैगी गायब थी। पुलिस ने मामले में रहीश मियां के खिलाफ स्त्रद्धक्र दर्ज कर जांच शुरू की।

# मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने 1.27 करोड़ लाड़ली बहनों के खाते में डाले 1553 करोड़ रुपए

## गरीब, किसान, युवा और महिला कल्याण के लिये मिशन मोड पर हो रहा है कामः मुख्यमंत्री डॉ. यादव

सांध्य प्रकाश संवाददाता ● भोपाल

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा है कि प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में हमारी सरकार समाज के हर वर्ग के हित के लिए कार्य कर रही है। प्रदेश में महिला, युवा, गरीब और किसानों के लिए मिशन मोड में कार्य किया जा रहा है। आज से 125 वर्ष पहले जब हमारा भारत गुलाम था और निराशा में डूबा हुआ था, तब स्वामी विवेकानंद ने उस निराशा को दूर करते हुए सब में उत्साह भरा और कहा था कि 21वीं शताब्दी भारत एवं सनातन संस्कृति की होगी। उनका यह कथन आज प्रधानमंत्री श्री मोदी के कुशल नेतृत्व में सत्य सिद्ध हो रहा है। आज विश्व में भारत का दौर चल रहा है। स्वामी विवेकानंद जी की जयंती पर हम सभी संकल्प लें कि भारत के साथ मध्य प्रदेश के विकास के लिए कंधे से कंधा मिलाकर कार्य करेंगे। सबके साथ से देश की तरक्की और सब का विकास होगा। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने रविवार को शाजापुर जिले की तहसील कालापीपल में आयोजित कार्यक्रम में प्रदेश की 1.27 करोड़ लाड़ली बहनों के खातों में 1553 करोड़ रुपये की राशि अंतरित की। साथ ही 55 लाख सामाजिक सुरक्षा पेंशन के हितग्राहियों के खातों में 335 करोड़ रुपये और 26 लाख बहनों को सिलेण्डर रीफिलिंग के लिये दी जाने वाली राशि अंतरित की। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने 10 करोड़ 11 लाख राशि के विकास कार्यों का लोकार्पण और भूमि-पूजन किया। कार्यक्रम में विभिन्न योजनाओं के तहत हितग्राहियों को हितलाभ भी वितरित किये गये। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने क्षेत्र के विकास के लिए भी अनेक घोषणाएँ की। उन्होंने कालापीपल तहसील को राजस्व अनुभाग बनाने तथा पोलायकलां उप मंडी को मुख्य मंडी बनाए जाने की घोषणा की। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कालापीपल में 15 ग्रामीण सड़कों के निर्माण और 11 गाँव के नाम बदलने की घोषणा की। ग्राम निपानिया हिस्सामुद्दीन को निपानिया देव, ढाबला हुसैनपुर को ढाबला राम, मोहम्मदपुर पवाड़िया को रामपुर पवाड़िया, खजूरी अलाहदाद को खजूरी राम, हाजीपुर को हीरापुर, मोहम्मदपुर मछनाई को मोहनपुर, रीछड़ी मुरादाबाद को रीछड़ी, खलीलपुर (ग्राम पंचायत सिलोंदा) को रामपुर, ऊँचोद को ऊँचावद, घट्टी मुख्यारपुर को घट्टी और शेखपुर बोंगी को अवधपुरी नाम देने की घोषणा की।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि स्वामी विवेकानंद की जयंती के अवसर पर प्रदेश में युवाओं के कल्याण के लिए युवा शक्ति मिशन योजना प्रारंभ की गई है। हमारा संकल्प है जब तक युवा को काम नहीं तब तक हमें आराम नहीं। हम युवाओं को सम्मानपूर्वक रोजगार देने के साथ ही स्वावलंबी और सामर्थ्यशाली बनाना चाहते हैं। प्रदेश में 2 लाख 70 हजार सरकारी पदों पर भरती की जाएगी। इसके साथ ही निजी क्षेत्र में भी बड़ी संख्या में रोजगार सृजन हो रहा है। प्रदेश में रीजनल इंडस्ट्री कॉन्क्लेव, महानगरों में रोड-शो, खनन कॉन्क्लेव ओर यूके-जर्मन के माध्यम से चार लाख करोड़ के निवेश प्रस्ताव प्राप्त हुए हैं। आगामी 16 तारीख को शहडोल में रीजनल इंडस्ट्रीज कॉन्क्लेव होगा। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि सरकार किसानों के कल्याण के लिए निरंतर कार्य कर रही है। निरंतर बिजली और हर खेत को पानी मिलने से किसान वर्ष भर फसल ले सकेंगे। अब सरकार ने निर्णय लिया है कि किसानों को रात में सिंचाई नहीं करनी पड़ेगी, उन्हें दिन में ही 8 से 10 घंटे सिंचाई के लिए बिजली मिलेगी। उन्होंने घोषणा की कि पार्वती-कालीसिंध-चंबल परियोजना से जिले के 155 गांव को भी योजना से जोड़ा जायेगा। प्रदेश में अगले 5 वर्षों में सिंचाई के रकबे को एक करोड़ हैक्टेयर करने का लक्ष्य निर्धारित किया गया है। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि महिलाओं का सशक्तिकरण हमारी प्राथमिकता है। हमारी सनातन संस्कृति में महिलाओं का सम्मान सर्वोच्च है। प्रदेश में लाड़ली बहना योजना एवं अन्य योजनाओं का लाभ महिलाओं को निरंतर मिलता रहेगा। लाड़ली बहनों को हर माह राशि मिलेगी, वर्ष में एक बार नहीं हर माह रक्षाबंधन मनाया जाएगा।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि हम निरंतर गरीब कल्याण के लिए कार्य कर रहे हैं। वर्ष 2003-4 में जहां मध्य प्रदेश की प्रति व्यक्ति आय 7500 रुपए वार्षिक थी, आज बढ़कर 1 लाख 40 हजार रुपए हो गई है। हर व्यक्ति को 24 घंटे बिजली मिल रही है। प्रधानमंत्री श्री मोदी ने हर गरीब को पक्का मकान दिलाने का संकल्प लिया है। उज्ज्वला योजना के माध्यम से हर घर में गैस कनेक्शन दिया गया है। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि सुशासन हमारा लक्ष्य है। पहले अपने कामों के लिए पटवारी को ढूंढना पड़ता था लेकिन अब नामांतरण, बटवारा जैसे कार्य आसानी से हो जाते हैं। साइबर तहसील योजना के माध्यम से रजिस्ट्री के साथ ही नामांतरण अपने आप हो जाता है। अब विद्यार्थियों को मार्कशीट और टीसी आदि के लिए चक्कर नहीं लगाने पड़ते, डिजिलॉकर के माध्यम से यह दस्तावेज मोबाइल पर ही प्राप्त हो जाते हैं। उच्च शिक्षा मंत्री श्री इंदर सिंह परमार ने कहा कि प्रधानमंत्री श्री मोदी के संकल्प के अनुरूप लक्ष्यह (गरीब, युवा, किसान और महिला) पर ध्यान के विज़न पर अमल करने के लिये मुख्यमंत्री डॉ. यादव के नेतृत्व में महाअभियान चल रहा है। मध्यप्रदेश इसमें अग्रणी है। क्षेत्रीय विधायक श्री घनश्याम चंद्रवंशी ने क्षेत्र के विकास के लिये अनेक प्रस्ताव रखे। कार्यक्रम में जन-प्रतिनिधि, अधिकारी, बड़ी संख्या में लाड़ली बहनें, किसान बंधु और आमजन उपस्थित रहे। मुख्यमंत्री डॉ. यादव के कालापीपल पहुँचने पर नगर के विभिन्न स्थानों पर भव्य स्वागत किया गया। मुख्यमंत्री ने नागरिकों का अभिवादन किया। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कालापीपल में आयोजित कार्यक्रम के बाद प्राचीन तेलिया हनुमान मंदिर में दर्शन कर पूजा-अर्चना की। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि श्रीहनुमान मंदिर को पर्यटन स्थल के रूप में विकसित किया जायेगा।

भोपाल। स्वामी विवेकानंद पार्क कोटरा सुल्तानाबाद, नेहरू नगर मे दुल्लैया स्मृति आयुर्वेद पीजी महाविद्यालय एवं चिकित्सालय द्वारा निशुल्क चिकित्सा शिविर आयोजित किया गया .इस अवसर पर सीनियर सिटीजन एवं स्वामी विवेकानंद मंच के सदस्यों ने अपना स्वास्थ्य चेकअप करवाया।

# भोपाल जिले के संगठन चुनाव की प्रक्रिया पूर्ण, शीघ्र होगी घोषणाः सुमित पचौरी

## संविधान गौरव दिवस की तैयारी को लेकर बैठक संपन्न

**भोपाल।** भारतीय जनता पार्टी संगठन चुनाव और संविधान गौरव दिवस को लेकर सोमवार को भाजपा जिला कार्यालय अटल भवन मे बैठक सम्पन्न हुई। बैठक को निर्वाचन अधिकारी राज्यसभा सांसद प्रदेश महामंत्री सुश्री कविता पाटीदार ने संबोधित किया। भाजपा के जिला अध्यक्ष सुमित पचौरी ने बताया कि बैठक में निर्वाचन प्रक्रिया पूरी कर ली गई है। शीघ्र ही निर्वाचित नाम की घोषणा की जाएगी। इस अवसर पर निर्वाचन टोली के रविंद्र यति,सहित भोपाल जिले के प्रमुख कार्यकर्ता उपस्थित थे। गौरव दिवस की तैयारी बैठक में कविता पाटीदार जिला अध्यक्ष सुमित पचौरी महापौर मालती राय महामंत्री कृष्ण सूर्यवंशी रविंद्र यति जगदीश यादव जिला उपाध्यक्ष राम बंसल रेनवाल, मनोज राठौर, राजेंद्र गुप्ता, गिरीश शर्मा, शंकर मकोरिया, राहुल राजपूत, इंद्रजीत सिंह, रवि शर्मा, श्री भीकम सिंह बघेल, राजकुमार विश्वकर्मा, वंदना परिहार, अशोक सैनी, आईटी संयोजक विश्व विजय सिंह, महेश मकवाना, राजू अनेजा, डॉ योगेंद्र मुखरैया, विभा गरुड़, सुषमा बबीसा राघवेंद्र द्विवेदी, शैलेंद्र शुक्ला, शैलेंद्र देवेंद्र योगी शहरयार अहमद शेरू,। जिला पदाधिकारी एवं भोपाल जिले के सभी 31मंडल अध्यक्ष सहित मोर्चा प्रकोष्ठ के पदाधिकारी गण उपस्थित हुए।

# लोहड़ी पर्व के लिए शहर में 6 स्थानों पर मिलेगी गोकाष्ठ

**भोपाल।** लोहड़ी पर्व के लिए शहर में 6 स्थानों पर आज मिलेगी गोकाष्ठ । हमारे शहर के जंगल कटने से बचे और हमारी गऊ माता का भी संवर्धन हो । कुछ इसी पुनीत भाव को लेकर गोकाष्ठ संवर्धन एवं पर्यावरण संरक्षण समिति ने हर वर्ष की तरह इस वर्ष भी सिक्खों के पवित्र पर्व लोहड़ी के उपलक्ष्य में सोमवार को शहर में 6 स्थानों पर गोकाष्ठ विक्रय केंद्र बनाए है ।

जहां पर आमजन को कपड़े के बैग में 25 किलो की पेकिंग में गोकाष्ठ उपलब्ध कराई जाएगी । समिति के अध्यक्ष अरुण चौधरी ने बताया कि शहर में टी टी नगर गुरुद्वारा, पंजाबी बाग गुरुद्वारा, श्री कृष्ण प्रणामी मंदिर, भोजपुर क्लब, पटेल नगर स्थित शुभम नर्सरी, होशंगाबाद रोड सी 21मॉल अपोजिट शुभम नर्सरी सेंटर से गोकाष्ठ के 25 किलो के बैग प्राप्त किए जा सकते हैं । सचिव प्रमोद चुग ने सिख धर्म के सभी अनुयायियों से आव्हान किया है कि गोकाष्ठ से लोहड़ी पर्व को मनाकर हम अपने पर्यावरण का संरक्षण कर सकते हैं । समिति के समन्वयक मम्तेश शर्मा ने बताया कि अगर ज्यादा मात्रा में गोकाष्ठ लोहड़ी पर्व के लिए किसी को चाहिए तो घर पहुंच सेवा भी उपलब्ध है । उसका कनवेंस शुल्क अलग से देना होगा । गोकाष्ठ प्राप्त करने के लिए निम्न नंबरों 9425011312, 9425008240, 9300068899 पर संपर्क किया जा सकता है ।

# भोपाल में फिल्म जंगल सत्याग्रह का प्रीमियर शो, दिग्विजय के बुलावे पर नहीं पहुंचे भाजपा नेता, पूर्व विधायकों ने निभाया है रोल

सांध्य प्रकाश संवाददाता ● भोपाल

सोमवार को भोपाल में पूर्व मुख्यमंत्री दिग्विजय सिंह के द्वारा बैतूल के आदिवासी नायकों पर आधारित फिल्म जंगल सत्याग्रह का प्रीमियर शो रखा गया। फिल्म में 1930 में अंग्रेजी हुकूमत के खिलाफ जल, जंगल और जमीन के लिए आदिवासी नायकों का संघर्ष दिखाया गया है। पूर्व मुख्यमंत्री ने विधानसभा के सभागार में आयोजित कार्यक्रम का कांग्रेस नेताओं के साथ ही सीएम डॉ. मोहन यादव, बीजेपी प्रदेश अध्यक्ष वीडी शर्मा, पूर्व सीएम उमा भारती सहित तमाम भाजपा नेताओं, विधायकों को भी दिया था। लेकिन फिल्म के प्रीमियर शो में कोई भाजपा ने शामिल होने नहीं पहुंचे। फिल्म

के डायरेक्टर प्रदीप उईके ने कहा कि, मैं पीएससी का एग्जाम दे रहा था उसमें जंगल सत्याग्रह पर प्रश्न पूछा गया। उसके बाद मैंने सरदार गंजन सिंह कोरकू के बारे में पढ़ना शुरू किया। 3 साल में पूरी कहानी खोज पाया। इस फिल्म को बनाने के लिए मैने समाज के लोगों से मदद मांगी। और आदिवासियों पर बनी फिल्म के लिए एक करोड़ तक राशि जुटाने में बहुत संघर्ष करना पड़ा। प्रदीप ने दिग्विजय सिंह को आदिवासी हितैषी बताया। कार्यक्रम में पूर्व सीएम दिग्विजय सिंह, पीसीसी चीफ जीतू पटवारी, नेता प्रतिपक्ष उमंग सिंघार, उपनेता प्रतिपक्ष हेमंत कटारे, कांतिलाल भूरिया, ओंकार सिंह मरकाम, राज्यसभा सांसद अशोक सिंह, कमलेश्वर पटेल विधानसभा के प्रमुख सचिव एपी सिंह मौजूद रहे।

भोपाल। गोविंदपुरा में रोजगार मेले का आयोजन किया गया।

## रोड का किया निरीक्षण

**भोपाल।** ऊर्जा मंत्री प्रद्युम्न सिंह तोमर ने सिविल अस्पताल हजीरा तथा एलिवेटेड रोड के निर्माण कार्य का निरीक्षण अधिकारियों को आवश्यक दिशा-निर्देश दिए। तोमर के साथ अस्पताल अधीक्षक डॉ. प्रशांत नायक, आईसीयू प्रभारी डॉ. वीरपाल यादव, डॉ. आलोक यादव मौजूद रहे।

# मंत्री के बयान का विरोध, छुट्टी पर तहसीलदार, कलेक्टर को सौंपा ज्ञापन

**भोपाल।** राजस्व मंत्री करण सिंह वर्मा के एक बयान के विरोध में तहसीलदार और नायब तहसीलदार विरोध में उतर गए हैं। भोपाल के भी सभी तहसीलदार और नायब तहसीलदार सोमवार से अगले 3 दिन के लिए अवकाश पर चले गए। उन्होंने कलेक्टर कौशलेंद्र विक्रम सिंह को ज्ञापन भी सौंपा। इससे पहले वे टीएल (समयावधि) मीटिंग में शामिल हुए। ज्ञापन में बताया गया कि 10 जनवरी को मंत्री वर्मा ने एक महिला तहसीलदार पर टिप्पणी की थी। इससे सभी तहसीलदारों में आक्रोश व्याप्त है। इसके विरोध में सोमवार को तहसीलदार सामूहिक अवकाश पर चले गए। इसका असर भोपाल में भी है। मप्र राजस्व अधिकारी (कनिष्ठ प्रशासनिक सेवा) संघ के नेतृत्व में उन्होंने 13 से 15 जनवरी तक अवकाश पर रहने की बात कही है। मामले में भोपाल जिले के एक दर्जन से ज्यादा तहसीलदारों ने सुबह एक सामूहिक बैठक की। फिर कलेक्टर ऑफिस पहुंचकर ज्ञापन भी सौंपा। तहसीलदारों ने ज्ञापन टीएल मीटिंग में शामिल होने के बाद दिया। वहीं, उन्होंने आगामी आंदोलन के संबंध में चर्चा की। तहसीलदारों के सामूहिक अवकाश पर होने के कारण राजस्व संबंधी कामकाज, भूमि विवाद सहित अन्य प्रशासनिक गतिविधियां प्रभावित होंगी।

# जीआरपी पुलिस को बड़ी कामयाबी, साढ़े 5 लाख का माल बरामद

भोपाल। जीआरपी पुलिस ने आउटर पर खड़ी ट्रेनों में चोरी करने वाले गिरोह के एक सदस्य को गिरफ्तार किया है। इस कार्रवाई में पुलिस ने करीब 5 लाख 50 हजार रुपये का माल बरामद किया है। इसमें विभिन्न कंपनियों के 8 मोबाइल फोन, 6 लैपटॉप, 4 ट्रॉली बैग, चोरी में इस्तेमाल किया गया वाहन शामिल है। जीआरपी पुलिस की इस सफलता से ट्रेनों में हो रही चोरियों पर अंकुश लगाने की उम्मीद जताई जा रही है।

## संपादकीय

# दिल्ली चुनाव: भाजपा से ज्यादा आक्रामक कांग्रेस

दिल्ली विधानसभा चुनाव की रणभेरी बज चुकी है। सेनाएं आमने सामने डट गई हैं। हालांकि वर्तमान राजनीतिक परिस्थितियों में कोई भी अनुमान लगा पाना आसान काम नहीं है, लेकिन माना जाता है कि दिल्ली में त्रिकोणीय मुकाबला होगा जहाँ आप, भाजपा और कांग्रेस के बीच कड़ी प्रतिस्पर्धा की उम्मीद की जा रही है। आप की लोकप्रियता को चुनौती देते हुए विरोधी पार्टियों ने भ्रष्टाचार और अधूरे वादों के मुद्दे उठाए हैं।

पिछले लोकसभा चुनावों में सभी सातों सीटें जीतने के बाद भाजपा इस बार सत्ता में आने के लिए हरसंभव कोशिश कर रही है। भले ही दिल्ली पूर्ण राज्य नहीं है, और केंद्र का दखल

वर्तमान में कुछ ज्यादा ही बढ़ा है, लेकिन सत्ता के लिए जो बिसात बिछी है, उससे जाहिर है कि दिल्ली का राजनीति महत्व किसी अन्य राज्य से कम नहीं। चुनाव की घोषणा के वक्त से ही साफ हो गया था कि इस बार मुकाबला वाकई त्रिकोणीय होगा। तभी तो एक दशक से दिल्ली में सत्तारूढ़ आप को पहली बार कड़ी चुनौती मिल रही है।

खास बात यह है कि मोदी लहर में भी आप न सिर्फ दिल्ली का दुर्ग बचाने में सफल रही, अपितु उसने कांग्रेस से पंजाब भी छीन लिया और राष्ट्रीय दल का दर्जा भी हासिल कर लिया। उसके दबदबे का अंदाजा इसी से लगाया जा सकता है कि 1998 से 2013 तक दिल्ली में लगातार तीन बार सरकार बनाने वाली कांग्रेस का दो बार से विधानसभा चुनाव में खाता तक नहीं खुला और लगातार तीसरी बार केंद्र में सरकार बनाने वाली भाजपा बमुश्किल तीन से आठ सीटों तक पहुंच पाई।

फिर भी माना जा रहा है कि 2025 के चुनाव में त्रिकोणीय मुकाबले के आसार हैं। इसके कुछ कारण भी हैं। असल में आप का जन्म जन लोकपाल की मांग को लेकर समाजसेवी अन्ना हजारे के चर्चित आंदोलन के बाद हुआ, जो सीधे-सीधे कांग्रेस के खिलाफ ही था। आप और उसके संयोजक अरविंद केजरीवाल की छवि स्वाभाविक ही वैकल्पिक राजनीति के अगुआ और ईमानदार की बन गई। तब भ्रष्टाचार के आरोपों से घिरी कांग्रेस से जनता का तेजी से मोह भंग हो रहा था। ऐसे में कांग्रेस का परंपरागत वोट बैंक रहे गरीब, दलित और अल्पसंख्यक आप की ओर चले गए।

दूसरी बात, केजरीवाल आज भी दिल्ली के सबसे लोकप्रिय नेता माने जाते हैं, लेकिन हाल के घटनाक्रम उनकी साख पर सवालिया निशान लगाए हैं। उनकी सबसे बड़ी ताकत, उनकी ईमानदार नेता की छवि पर न केवल विरोधियों की तरफ से संगीन आरोप लगे हैं, इनमें शीशमहलनुमा आवास और शराब नीति घोटाले शामिल हैं। शराब नीति घोटाले में केजरीवाल के साथ ही और कुछ प्रमुख नेताओं को जेल जाना पड़ा।

हालांकि आप इसे केंद्रीय एजेंसियों के दुरुपयोग और राजनीतिक उत्पीड़न का मामला बता रही है। ये आरोप कांग्रेस भी लगाती रही हैं, लेकिन अब कांग्रेस के सुर बदल गए हैं। यमुना सफाई समेत कुछ वायदे अधूरे हैं। शायद इसलिए भी मतदाताओं को लुभाने के लिए संजीवनी और महिला सम्मान योजना की जरूरत पड़ रही है। बेशक मुफ्त पानी, बिजली, मोहल्ला क्लीनिक और बेहतर सरकारी स्कूल जैसे काम आप के पास हैं गिनाने के लिए, लेकिन इनमें से ज्यादातर तो पहले कार्यकाल में हो गए थे। दूसरे कार्यकाल में क्या हुआ?

पिछले तीन लोकसभा चुनावों में दिल्ली की सातों सीटें जीतने वाली भाजपा लगातार आप सरकार के विरुद्ध आक्रामक बनी हुई है। इस बीच कुछ बड़े नेता भी आप का दामन छोड़ गए। आप के कुछ बड़े नेताओं को तोड़ने में भाजपा भी सफल रही है। लेकिन अब माना जा रहा है कि कांग्रेस ने आप के लिए इस चुनाव को ज्यादा मुश्किल बना दिया है। लोकसभा चुनाव तक दोस्त रही कांग्रेस इस बार केजरीवाल के विरुद्ध भाजपा से भी ज्यादा आक्रामक दिख रही है। इसके पीछे मुख्य कारण भी आप और केजरीवाल ही हैं। पहले कांग्रेस के खिलाफ बोलने की शुरुआत उन्होंने ही की, जबकि दोनों दल इंडिया गठबंधन के सदस्य हैं और लोकसभा चुनाव साथ लड़ा था।

जिस शराब नीति घोटाले ने आप को बड़े संकट में डाला, उसकी शिकायत कांग्रेस ने ही की थी। हाल ही में महिला सम्मान योजना में फर्जीवाड़े की आशंका की शिकायत लेकर भी कांग्रेस के संदीप दीक्षित ही नए उपराज्यपाल के पास पहुंचे। उन्होंने यह भी कहा है कि पंजाब पुलिस कांग्रेस , उम्मीदवारों की जासूसी कर रही है और दिल्ली विधानसभा चुनाव के लिए पंजाब से कैश लाया जा रहा है। इन शिकायतों पर जांच के आदेश भी हो गए।

कांग्रेस और भाजपा, दोनों आप के प्रमुख नेताओं की चुनावी घेराबंदी करने में जुटी हैं। केजरीवाल के विरुद्ध भाजपा ने अपने पूर्व मुख्यमंत्री साहिब सिंह वर्मा के बेटे और पूर्व सांसद प्रवेश वर्मा को उम्मीदवार बनाया है। कांग्रेस ने पूर्व सीएम शीला दीक्षित के बेटे संदीप को उतारा है। केजरीवाल सरकार में उपमुख्यमंत्री रहे मनीष सिसोदिया के विरुद्ध जंगपुरा से कांग्रेस ने पूर्व मेयर फरहाद सूरी को तो भाजपा ने सिख नेता तरविंदर सिंह मारवाह को उम्मीदवार बनाया है।

कांग्रेस की कोशिश अपना वोट बैंक वापस हासिल करने की है, जिस पर कब्जा कर आप दिल्ली की राजनीति में अजेय बन गई है तो पिछले तीनों लोकसभा चुनाव में सभी सातों सीटें जीतने के बावजूद हर विधानसभा चुनाव में अपमानजनक हार का कड़वा घूंट पीने को मजबूर भाजपा लगभग 27 साल से दिल्ली की सत्ता से वनवास झेल रही है। माना जा रहा है कि कांग्रेस अपने वोट बैंक का एक ठीकठाक हिस्सा भी वापस पाने में सफल हो गई तो आप इस बार सत्ता से बाहर भी हो सकती है। और फिर भाजपाअपने मकसद में कामयाब हो जाएगी। त्रिकोणीय संघर्ष में ऐसे ही परिणामों की उम्मीद की जा सकती है।

# मध्यप्रदेश कांग्रेस की सर्जरी करते समय राहुल के हाथ कांपेंगे तो नहीं !

**- अरुण पटेल**

लोकसभा में प्रतिपक्ष के नेता राहुल गांधी वास्तव में कांग्रेस में अपने द्वारा उठाये गये मुद्दों के प्रति प्रतिबद्ध नेताओं व कार्यकर्ताओं की जमात खड़ी करने के लिए कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे के माध्यम से जो सर्जरी करना चाहते हैं उसमें देखने वाली बात यही होगी कि क्या ऐसा करते समय राहुल गांधी एक कुशल सर्जन की तरह सर्जरी कर पाते हैं या उनके हाथ अपनों के चेहरे देखकर कापेगें तो नहीं। राहुल गांधी को कांग्रेस संगठन को चुस्त-दुरुस्त करने और मैदान में संघर्ष करने के अनुरुप ढालना है तो उन्हें एक कुशल सर्जन की भूमिका का निर्वहन करना होगा ताकि वे जो चाहते हैं उस प्रकार से कांग्रेस में वैचारिक बदलाव भी आए और उस बदलाव के प्रति प्रतिबद्ध नेताओं व कार्यकर्ताओं की एक बड़ी फौज खड़ी हो सके। चूंकि इस समय संविधान की बात बहुत जोर-शोर से हो रही है और संविधान बचाओ के नारे पर ही लोकसभा में एक मजबूत प्रतिपक्ष खड़ा है। इसलिए राहुल को पूरी मुस्तैदी से अपनी दूसरी पदयात्रा में आगे बढ़ना होगा।

संविधान बचाओ के नारे पर जो सफलता कांग्रेस और उसके सहयोगी दलों को मिली उसी आधारभूमि को मजबूत करते हुए साल भर चलने वाली जो संविधान बचाओ पदयात्रा 27 जनवरी 2025 से राहुल करने वाले हैं उसके लिए महू से अधिक कोई दूसरी स्थली हो नहीं सकती थी क्योंकि महू डॉ. भीमराव आम्बेडकर की जन्मस्थली है और उन्होंने ही संविधान जिस रुप में सामने आया है उसे गढ़ने में महत्वपूर्ण भूमिका का निर्वहन किया था। इन दिनों राजनीतिक फलक पर डॉ आम्बेडकर के अपमान का मामला गर्माया हुआ है और दलित संघों की जो प्रतिक्रियाएं सामने आई हैं उसको देखते हुए कांग्रेस को भी आगे आना ही पड़ा। क्योंकि, उसने ही इस मुद्दे की शुरुआत की थी।

अब कांग्रेस 27 जनवरी को बाबा साहेब डॉ भीमराव आम्बेडकर की जन्मस्थली से जिस पदयात्रा का आगाज करने जा रही है उसकी थीम है 'जय बापू, जय भीम, जय संविधान।' अखिल भारतीय कांग्रेस कमेटी के निर्देश पर मध्यप्रदेश कांग्रेस कमेटी ने भी अपनी तैयारियां पूरी तेजी से प्रारंभ कर दी हैं और इसके लिए अपने विभिन्न पदाधिकारियों की जिम्मेदारी भी सुनिश्चित कर दी है। इस यात्रा में कांग्रेस के राष्ट्रीय अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे, लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी, सांसद प्रियंका गांधी वाड्रा सहित वरिष्ठ कांग्रेस नेता भी भाग लेंगे। साल भर चलने वाली इस पदयात्रा का आगाज भी महू हो ही होगा।

उल्लेखनीय है कि केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह के संसद में संविधान पर चर्चा के दौरान भाषण के एक अंश को लेकर यह विवाद शुरु हुआ था। कांग्रेस व अन्य विपक्षी दलों ने अमित शाह के बयान को आम्बेडकर के सम्मान से जोड़ दिया था। इसे मुद्दा बनाकर संसद में सरकार की घेराबंदी करने की कोशिश की गई और अब इस मुद्दे को गांव-गांव तक ले जाने की तैयारी है। इसी के लिए ''जय बापू, जय भीम, जय संविधान'' अभियान के अंतर्गत महू में रैली आयोजित की जायेगी ताकि इसका संदेश पूरे देश में दिया जा सके।

प्रदेश कांग्रेस कमेटी कार्यालय में हुई एक बैठक में प्रदेश प्रभारी महासचिव जितेन्द्र सिंह व प्रदेश अध्यक्ष जीतू पटवारी ने कहा कि कांग्रेस के सभी वरिष्ठ नेता महू आयेंगे और कार्यक्रम की तैयारी भी उसी हिसाब से करना है। कार्यक्रम को सफल बनाने के लिए ब्लाक, जिला और प्रदेश पदाधिकारियों के साथ विधायकों को भी जुटना होगा। इसके लिए 15 जनवरी से 21 जनवरी तक जिलों में जाकर जनसंपर्क अभियान चलाया जायेगा तथा प्रत्येक पदाधिकारी दस-दस घरों में संपर्क कर भाजपा की वास्तविकता और कांग्रेस जो कार्यक्रम कर रही है उसके बारे में कांग्रेस का जो नजरिया है उसको बतायेंगे। इस बैठक में कमलनाथ वर्चुअली शामिल हुए थे तथा इसमें दिग्विजय सिंह, अरुण यादव, कांतिलाल भूरिया, अजय सिंह, उमंग सिंघार व हेमंत कटारे सहित सभी वरिष्ठ पदाधिकारी शामिल थे।

दिग्विजय सिंह का मानना है कि कार्यकर्ताओं को आंदोलन में न उलझाया जाए बल्कि केवल संगठन पर ध्यान दिया जाये। जबकि उनके इस सुझाव पर प्रदेश प्रभारी जितेन्द्र सिंह ने असहमति जताते हुए कहा कि आवश्यकता अनुसार भी आंदोलन किए जायेंगे और ब्लाक से लेकर जिला इकाइयों तक एक माह में परिवर्तन होंगे तथा सभी पदाधिकारियों के काम का मूल्यांकन भी होगा।

दिग्विजय सिंह ने राजनीति के पांच सूत्र रेखांकित करते हुए बताया कि वाक्य संपर्क, संवाद, स्वभाव, समावेश और सम्मान, इन सभी को ध्यान में रखना चाहिये। कांग्रेस के प्रदेश कांग्रेस उपाध्यक्ष राजीव सिंह को चुनाव व्यवस्था का प्रभारी बनाया गया है जबकि पूर्व मंत्री पी.सी. शर्मा सरकारी कर्मचारियों के संगठन से समन्वय की भूमिका निभायेंगे। केके मिश्रा को प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष का मीडिया सलाहकार बनाया गया है। जबकि, जेपी धनोपिया इलेक्शन कमीशन और लीगल वर्क का काम देखेंगे। आनंद राय को सोसायटी आउट रीच का काम दिया गया है इसके लिए अलग से डिपार्टमेंट बनाया जा रहा है।

इस प्रकार कुल 35 इंचार्ज बनाये गये हैं। पूर्व विधायक प्रियव्रत सिंह को उपाध्यक्ष संगठन और पीसीसी के प्रशासन प्रभारी संजय कामले को संगठन का प्रभारी नियुक्त किया गया है। विधायक जयवर्धन सिंह को युवा कांग्रेस का प्रभारी बनाया गया है। किसी भी संगठन में युवा ही महत्वपूर्ण भूमिका का निर्वहन करते हैं इस प्रकार जयवर्धन सिंह को एक महत्वपूर्ण जिम्मेदारी मिली है। पूर्व मुख्यमंत्री कमलनाथ के समर्थकों को भी जिम्मेदारियां सौंपी गयीं हैं। महेंद्र जोशी को प्रशिक्षण विभाग का प्रभारी बनाया गया है। फूलसिंह बरैया सामाजिक समन्वय का विभाग संभालेंगे।

और यह भी

नेता प्रतिपक्ष उमंग सिंघार ने केन्द्र व राज्य की भाजपा सरकारों की घेराबंदी करते हुए आरोप लगाया है कि सरकार अमीरों पर कम और गरीबों पर टेक्स का ज्यादा बोझ डाल रही है। उन्होंने राज्य की भाजपा सरकार पर निशान साधते हुए यह भी कहा है कि पेट्रोल पर सबसे ज्यादा 29 प्रतिशत टेक्स मध्यप्रदेश में वसूल रही है जबकि यह आम जनता से जुड़ा हुआ सीधा मुद्दा है और राज्य सरकार चाहे तो इसको कम करके जनता को राहत दे सकती है, लेकिन ऐसा नहीं किया जा रहा है। अमीरों पर कम और गरीबों पर टेक्स का ज्यादा बोझ पड़ रहा है।

# पंजाब की लोक संस्कृति व मौज मस्ती के साथ सुख समृद्धि की मनौती और वीरता का प्रतीक है लोहड़ी का त्योहार

**- डॉ संदीप सबलोक**

पंजाबी संस्कृति में प्रत्येक साल मकर संक्रांति की एक दिन पहले 13 जनवरी को मनाया जाने वाला लोहड़ी का त्यौहार पंजाबी समुदाय के लोगों के लिए बहुत महत्व रखता है। यह त्योहार रबी की फसल की कटाई और सर्दियों के दिनों के अंत का प्रतीक है। लोहड़ी के दिन सूर्य देव और अग्निदेव की पूजा की जाती है। इसके अलावा अच्छी फसल की कामना के लिए लोहड़ी की पूजा की जाती है। लोहड़ी किसानों की मेहनत, एकता और खुशहाली का भी प्रतीक है। इसे पंजाब समेत उत्तर भारत के कई राज्यों में बेहद धूमधाम से मनाया जाता है। इस दिन अच्छी फसल के लिए ईश्वर का आभार व्यक्त करने के लिए लोहड़ी की आग में मूंगफली, गुड़ की मिठाई जैसे गजक और रेवड़ी, तिल और पॉपकॉर्न सहित कई तरह की सामग्री चढ़ाई जाती हैं जिन्हें चरखा चढ़ाना कहा जाता है।

लोहड़ी की अग्नि को बुरी नजर से बचाने का प्रतीक भी माना जाता है। लोग अग्नि के चारों ओर परिक्रमा लगाते हैं और अपनी मनोकामनाएं मांगते हैं। लोहड़ी के दिन लोग एक दूसरे की सुख-समृद्धि की कामना करते हैं।

पंजाबी संस्कृति के जिन परिवारों में नई बहू या नवजात शिशु की पहली लोहड़ी होती है उन परिवारों में विशेष धूमधाम से यह त्यौहार मनाया जाता है। जिसमें नाते रिश्तेदार बढ़-चढ़कर भाग लेते हैं और

नई बहू या नवजात शिशु को सुखी और लंबे जीवन के लिए भेंट के साथ अपनी शुभकामनाएं और आशीर्वाद देते हैं।

लोहड़ी की लोककथा मुगल सम्राट अकबर के शासनकाल के दौरान एक जमींदार दुल्ला भट्टी की वीरता की कहानी से जुड़ी हुई है। इस काल में मध्य- पूर्व के गुलाम बाजार में बेची जाने वाली पंजाब की लड़कियों को बचाने में दुल्ला भट्टी की बहादुरी को कई लोहड़ी गीतों में याद किया जाता है। और लोहड़ी को दुल्ला भट्टी की कहानी से जोड़ा जाता है।

दुल्ला भट्टी मुगलों के समय में एक बहादुर योद्धा था और जिसने मुगलों के बढ़ते जुल्म के खिलाफ कदम उठाया। उसे %पंजाब के नायक% की उपाधि से सम्मानित किया गया था। उस समय संदल बार जगह पर लड़कियों को गुलामी के लिए बलपूर्वक अमीर लोगों को बेचा जाता था। इस दौरान गांव के ब्राह्मण परिवार की दो लड़कियों सुंदरी तथा मुंदरी की सगाई कहीं और तय हुई थी लेकिन मुगल शासक के डर से उनके भावी ससुराल वाले इस शादी के लिए तैयार नहीं थे।

लेकिन दुल्ला भट्टी ने एक योजना के तहत लड़कियों को न केवल मुगलों के भय से मुक्त करवाया बल्कि ब्राह्मण की मदद कर मुसीबत की इस घडी में लड़के वालों को मनाकर एक जंगल में आग जलाकर सुंदरी और मुंदरी की शादी हिन्दू लड़कों से करवाई और खुद ही उन दोनों का कन्यादान भी किया और शगुन स्वरूप उनको शकर दी थी। इस तरह उनकी शादी की सभी व्यवस्थाएं दूल्ले ने करवाईं।

लोहड़ी के सभी गीत दुल्ला भट्टी से ही जुड़े हुए हैं तथा यह कहा जा सकता हैं कि लोहड़ी के गीतों का केंद्र बिंदु दुल्ला भट्टी को ही बनाया जाता है।तब से लोकनायक दुल्ला भट्टी की अमरता से जुड़ी यह कहानी पंजाब के लोकप्रिय पर्व लोहड़ी को जलते अलाव के साथ-साथ इसे बयां करने से नहीं भूलते हैं।

लोहड़ी का यह पर्व उत्तर भारत, खासतौर पर पंजाब में लोहड़ी का त्योहार, जो मकर संक्रांति की पूर्व संध्या का बेहतरीन उत्सव है, जिसे बड़े ही धूमधाम से मनाए जाने की परंपरा है तथा यह परंपरा आज भी पंजाबी संस्कृति के लोगों में लोकप्रिय है। पंजाबी संस्कृति के लोग इस त्यौहार को अपने परिवार के साथ घरों के बाहर तथा सामूहिक रूप से इकट्ठे होकर भी लकड़ियां जलाकर मानते हैं।

# इंडिया: बिछड़ रहे सब बारी -बारी

**राकेश दुबे**

अब यह साफ़ दिखने लगा है कि भाजपा के ख़िलाफ़ बना विपक्ष का 'इंडिया' गठबंधन खत्म हो चुका है अथवा खत्म होने के कगार पर है। कुछ अवशेष बचे हैं, अलबत्ता ताश के पत्तों की तरह बिखर रहे हैं । लोकतंत्र के लिए यह सुखद खबर नहीं है।

कांग्रेस प्रवक्ता पवन खेड़ा का मानना है कि गठबंधन लोकसभा चुनाव तक ही था, लिहाजा अब उसका कोई अस्तित्व नहीं है। जम्मू-कश्मीर के मुख्यमंत्री एवं नेशनल कॉन्फ्रेंस के नेता उमर अब्दुल्ला ने कहा है कि यदि 'इंडिया' गठबंधन संसदीय चुनाव तक ही था, तो अब उसे खत्म कर देना चाहिए और सभी क्षेत्रीय दल अपने-अपने राज्यों में अलग-अलग काम करें। लेकिन नेशनल कॉन्फ्रेंस के ही अध्यक्ष डा. फारूक अब्दुल्ला 'इंडिया' को लोकसभा चुनाव तक ही सीमित नहीं मानते। उनका मानना है कि यह गठबंधन नफरती, तानाशाही किस्म की सियासत के खिलाफ बनाया गया था और लोकसभा चुनाव में कामयाब भी रहा, लिहाजा कोई भी गठबंधन हो, वह हरेक चुनाव और हरेक क्षण के लिए होता है।

'इंडिया' का विश्लेषण इसलिए प्रासंगिक है, क्योंकि दिल्ली विधानसभा चुनाव में समाजवादी पार्टी, तृणमूल कांग्रेस, शिवसेना (उद्धव) ने केजरीवाल की आम आदमी पार्टी (आप) को समर्थन देने की घोषणा की है। अखिलेश यादव, ममता बनर्जी और उद्धव ठाकरे 'आप' का मंच साझा कर उसके पक्ष में चुनाव-प्रचार भी करेंगे, हालांकि दिल्ली में इन राजनीतिक दलों का जनाधार 'नगण्य' है, लेकिन चुनाव के दौरान 'हवा' तो बनती है। सपा, तृणमूल और शिवसेना (उद्धव) 'इंडिया' के प्रमुख घटक दल हैं और लोकसभा में इनके 75 सांसद हैं। राजद नेता तेजस्वी यादव भी गठबंधन को लोकसभा चुनाव तक ही सीमित मान रहे हैं। बिहार में इसी साल अक्तूबर में विधानसभा चुनाव होने हैं। क्या राजद-कांग्रेस-वामदल का कथित महागठबंधन एक साथ चुनाव में नहीं उतरेगा?

क्या 2029 के संसदीय चुनाव तक 'इंडिया' यूं ही बिखरा हुआ रहेगा और कांग्रेस अकेली-थकेली पड़ जाएगी? दरअसल 'इंडिया' कभी भी विपक्ष का लामबंद गठबंधन नहीं बन पाया। उसका न तो कोई सचिवालय है, न कोई समन्वय समिति है और न ही साझा न्यूनतम कार्यक्रम है। यदि ऐसी ही स्थिति रहनी है, तो फिर उसे खत्म करने में क्या दिक्कत है?

गठबंधन पहले भी टूटते रहे हैं, खत्म होते रहे हैं। फिर गठबंधन बनते रहे हैं, क्योंकि यही गठबंधनों की नियति है। लोकसभा चुनाव की ही बात करें, तो कांग्रेस ने तृणमूल और केरल के वाम मोर्चा के खिलाफ चुनाव लड़े। पंजाब में कांग्रेस-आप एक-दूसरे के लिए गंभीर चुनौती बने रहे, हालांकि दिल्ली में गठबंधन जरूर था, लेकिन भितरघात भी थे। यदि लोकसभा चुनाव के बाद का परिदृश्य देखा जाए, तो हरियाणा विधानसभा चुनाव में कांग्रेस और 'आप' एक-दूसरे के प्रतिद्वंद्वी थे, नतीजतन कांग्रेस बहुत थोड़े अंतर के साथ सत्ता की लड़ाई हार गई।

महाराष्ट्र में कांग्रेस, शिवसेना (उद्धव) और एनसीपी (शरद) ने 'महाविकास अघाड़ी' गठबंधन में चुनाव लड़ा, लेकिन अंदरूनी तनाव, विरोधाभास, बेमेल समन्वय इतने रहे कि अघाड़ी चारों खाने चित्त हो गया। अब खबरें हैं कि मुंबई नगर निगम के चुनाव शिवसेना (उद्धव) अकेले ही लडने की तैयारियां कर रही है। महाराष्ट्र के ही पूर्व कांग्रेसी मुख्यमंत्री पृथ्वीराज चव्हाण ने कहा है कि दिल्ली में 'आप' ही चुनाव जीतेगी। कांग्रेस को 'आप' के साथ गठबंधन रखने की कोशिश करनी चाहिए थी। 'इंडिया' के प्रमुख दलों में तमिलनाडु का द्रमुक और झारखंड का झामुमो भी हैं। झारखंड में हाल ही में चुनाव सम्पन्न हुए हैं। अगले साल पश्चिम बंगाल और तमिलनाडु सरीखे बड़े राज्यों में विधानसभा चुनाव होने हैं। घटक दल कांग्रेस को छोडने और झटकने की मुद्रा में हैं। क्षेत्रीय दल कांग्रेस के ही वोट बैंक पर पनपे और ताकतवर हुए हैं। अब एकमात्र संभावना बची है कि 2029 के लोकसभा चुनाव में विपक्षी दल फिर गठबंधन बना सकते हैं।

# अखाड़े हैं महाकुंभ मेले की शोभा जानें क्या है वैष्णव और शैव अखाड़े

वर्तमान में महाकुम्भ के सुअवसर पर 13 अखाड़े अपने-अपने साधुओं के समूह को भ्रमण कराते हुए महाकुम्भ के स्थल में उपस्थित होते हैं, इसे अखाड़ों का छावनी प्रवेश, पेशवाई भी कहते हैं। श्री पंच दशनाम जूना (भैरव) अखाड़ा, श्री पंच दशनाम आवाहन अखाड़ा, श्री शम्भू पंच अग्नि अखाड़ा, श्री शम्भू पंचायती अटल अखाड़ा, श्री पंचायती महानिर्वाणी अखाड़ा, पंचायती अखाडा श्री निरंजनी, श्री पंच निर्मोही अनी अखाडा, श्री पंच दिगम्बर अनी अखाड़ा, श्री पंच निर्वाणी अनी अखाड़ा, तपोनिधि श्री आनंद अखाड़ा, श्री पंचायती अखाड़ा नया उदासीन, श्री पंचायती अखाड़ा निर्मल, श्री पंचायती अखाडा बडा उदासीन।

प्रत्येक अखाड़े का छावनी प्रवेश एक निश्चित तिथि को होता है। 10 जनवरी 2025 तक ग्यारह अखाड़ों का प्रवेश महाकुम्भ क्षेत्र में हो चुका है। 11 जनवरी 2025 को श्री पंचायती अखाड़ा निर्मल एवं 12 जनवरी 2025 को श्री पंचायती अखाडा बडा उदासीन का छावनी प्रवेश है। अपनी धार्मिक-आध्यात्मिक परम्परा के अनुसार लाव-लश्कर, हथियार, हाथी-घोड़े व रथों के जुलूस के साथ महाकुम्भ पर्व में स्नान करते हैं, जिसे देखने के लिए देश-दुनिया के लोग खिचें चले आते हैं।

महाकुम्भ भारतीय संस्कृति से जुड़ा हुआ है और संस्कृति के इस प्रवाह को लोक-कल्याण से जोड़ने में शैवों एवं वैष्णवों के अखाड़ों का अतिविशेष महत्व है। आचार्यों के अनुसार अखाड़े भारतीय साधु-संन्यासियों की प्राचीन धार्मिक परंपरा का एक महत्वपूर्ण हिस्सा है। जहां वैष्णव अखाड़ा हिंदू धर्म के वैष्णव संप्रदाय से जुड़ा हुआ है, जो भगवान विष्णु और उनके अवतारों की भक्ति और उपासना द्वारा भक्ति, वैराग्य और अध्यात्म का प्रचार-प्रसार करता है, वहीं शैव अखाड़ा भगवान शिव को सर्वोच्च देवता मानकर उनकी आराधना करता है। इसका उद्देश्य वैराग्य, ध्यान, और शिव भक्ति के माध्यम से आत्मज्ञान की प्राप्ति है।

तीर्थराज प्रयागराज में आयोजित होने वाले महाकुम्भ पर्व की ऐतिहासिकता, उसका नैसर्गिक सौन्दर्य तब तक अपूर्ण माना जाता है, जब तक शैव-वैष्णव संतों एवं इनके अखाड़ों की उपस्थिति न हो। महाकुम्भ के महापर्व को संगठित व विराट समागम का रूप देने में 6वीं शती के महान संत एवं अद्वैत मत के प्रचारक आद्य शंकराचार्य का योगदान अविस्मरणीय है। वैष्णव आचार्य रामानुजाचार्य एवं परवर्ती शंकराचार्यों, शैव-वैष्णव आचार्यों, मंडलेश्वरों, महामंडलेश्वरों आदि ने आस्तिक लोक परम्परा के साथ मिलकर 'कुम्भ महापर्व' के वैभव को विश्वजनीन रूप प्रदान किया। धर्म का प्रवाह अहर्निश चलता रहे इसके लिए तीर्थाटन तथा 'महाकुम्भ', 'कुम्भ' पर्व पर समस्त आचार्यों, सन्त-महात्माओं, तत्कालीन राजा-महाराजाओं, चारों मठों के शंकराचार्यों व साधारण जनता के एकत्रित होने का विधान बनाया गया।

स्वामी, प्रकाशक, मुद्रक भरत पटेल द्वारा इंडिपेंडेंट प्रेस 11, प्रेस काम्प्लेक्स, एमपी नगर, जोन-1, भोपाल से मुद्रित तथा 226, एमपी नगर जोन-2, भोपाल से प्रकाशित। संपादक — भरत पटेल, प्रबंध सलाहकार — भारती पटेल, संपादकीय सलाहकार — विष्णु कौशिक, सलाहकार संपादक - स्मिता पटेल, स्थानीय संपादक —संजय सक्सेना,
प्रकाशन से संबंधित समस्त समाचार चयन के लिए पीआरबी एक्ट के तहत जिम्मेदार। समस्त न्यायिक कार्यवाहियों के लिए क्षेत्राधिकार भोपाल न्यायालय का रहेगा। रजि. नं. भोपाल डिवी. 48 म.प्र.। ई-मेल : dspbpl67@gmail.com, वेबसाईट: dainiksandhyaprakash.in

# समय पर जाँच से रोग का सहजता से होता है निदान: उप मुख्यमंत्री शुक्ल

## युवा दिवस पर आयोजित निःशुल्क होम्योपैथिक चिकित्सा शिविर में हुए शामिल

भोपाल। उप मुख्यमंत्री श्री राजेन्द्र शुक्ल ने कहा कि समय पर जाँच हो जाए तो रोग का इलाज आसान हो जाता है। निरोगी काया ही सबसे बड़ा सुख है। विगत दिनों कैंसर सहित अन्य असाध्य बीमारियों की जाँच के लिए रीवा में शिविर लगाए गए थे, जिनके सकारात्मक परिणाम सामने आए और लोगों को इलाज मिला। उन्होंने कहा कि चिकित्सा के क्षेत्र में एलोपैथी, आयुर्वेद व होम्योपैथी की विधाओं से उपचार देकर लोगों को बेहतर सुविधा उपलब्ध कराई जा सकती है। उप मुख्यमंत्री श्री शुक्ल ने रीवा के कृष्णा राजकपूर ऑडिटोरियम में राष्ट्रीय युवा दिवस पर आयोजित होम्योपैथी चिकित्सा शिविर में उत्कृष्ट कार्य करने वाले चिकित्सकों व विद्यार्थियों को सम्मानित किया।

उप मुख्यमंत्री श्री शुक्ल ने होम्योपैथी चिकित्सा क्षेत्र में उत्कृष्ट कार्य करने वाले चिकित्सकों व विद्यार्थियों को बधाई दी। शिविर में देश के विभिन्न राज्यों के 100 से अधिक होम्योपैथी चिकित्सकों ने परीक्षण एवं इलाज किया। शिविर में आयुष्मान भारत डिजिटल मिशन के संबंध में नागरिकों को जागरूक किया गया। नगर निगम के अध्यक्ष श्री व्यंकटेश पाण्डेय, स्थानीय जनप्रतिनिधि होम्योपैथिक चिकित्सक व विद्यार्थी उपस्थित रहे।

## दमोह पुलिस को अवैध मादक पदार्थ विक्रय के विरुद्ध मिली सफलता

दमोह विगत कई सालों से अवैध मादक पदार्थ विक्रय का दमोह हव वना हुआ है, पहले भी अनेकों वार दमोह पुलिस अवैध गांजा लिये लोगों को तो पकडती रही है लेकिन उसके हाथ बडे खिलाडी नहीं आये थे लेकिन दिनांक 12.01.2025 को मुखविर की सूचना पर चौकी प्रभारी जबलपुर नाका एवं स्टाफ द्वारा अबैध मादक पदार्थ के विरुद्ध कार्रवाही की गई जिसमें आरोपी प्रकाश पिता रंभा रैकवार निवासी वार्ड नंबर 1 बटियागढ़ जिला दमोह के कब्जे से 7.004 किलोग्राम अवैध गांजा कीमती 70,000 रुपये जप्त किया गया। ज्ञात हो कि विगत 10 जनवरी को पलंदी चौराहे पर दमोह कोतवाली पुलिस द्वारा पकडे गये लगभग 9 किलो गांजा लिये आरोपियों ने भी गांजा उपलब्ध कराने वाले शख्स का नाम प्रकाश पिता रंभा रैकवार ही वताया था। पुलिस का कहना है कि रंभा कई दिनों से वांछित था और उसपर पहले से प्रकरण पंजीबद्ध हैं। अव यदि पुलिस अधीक्षक इस प्रकाश पिता रंभा रैकवार के सहयोगियों और आकाओं को भी पकडने में कामयाब होती है तो दमोह में फल फूल रहे अवैध मादक पदार्थ कारोबार पर व बडा प्रहार हो सकता है।

## थाना कोतवाली क्षेत्रांतर्गत रक्षित केंद्र और साइबर सेल टीम ने पकड़ा लाखों का बड़ा जुआ, कोतवाली पुलिस का भी सहयोग रहा

दमोह श्रुतकीर्ति सोमवंशी पुलिस अधीक्षक को मुखबिर से सूचना प्राप्त हुई कि जटाशंकर कॉलोनी में कुछ लोग एक घर में ताश के पत्तों से दाव लगा रहे हैं। सूचना पर पुलिस अधीक्षक द्वारा रक्षित केंद्र एवं कोतवाली से टीम गठित कर मौक़े पर भेजा जहां जहां टीम ने एक मकान में शोर गुल सुनकर खिड़की से झांक कर देखा तो कुछ लोग जुआ खेल रहे थे जिनको घेरा बंदी कर पकड़ा।जिनके पास से 16 लाख 05 हज़ार रुपए कैश,22 मोबाइल एवं एक हुंडई कार बरामद की गई। समक्ष गवाहान ज़ब्ती पत्रक तैयार कर थाना कोतवाली में अपराध क्रमांक 44/25 जुआ एक्ट की सुसंगत धाराओं में दर्ज कर विवेचना में लिया गया। जब्त मशरूका- 1. 6,65,000 फड़ से 2. 9,40,000 पास से 3. 22 मोबाइल फोन 4. हुंडई क्रेटा कार गिरफ्तार कुल 17 आरोपी।

## हिन्दू जीवन शैली हमें सिखाती है कि कोई हमसे मिले तो उसे अपनापन लगा: विष्णु खत्री

बैरसिया। आज स्वामी विवेकानंद जी की जयंती है। जिसे हम युवा दिवस के रुप में मना रहे है। स्वामी विवेकानंद जी के समय भारत गैर गणराज्य देश था। इसके बाबजूद भी उन्होंने पूरे विश्व में भारत की पहचान बनाई थी। शिखगो में अपने व्यख्यान से पूरा विश्व उनके विचारों से प्रभावित हुआ था। उन्होंने बताया था कि हिन्दू जीवन शैली हमे सिखाती है कि कोई हमसे मिले तो उसे अपनापन लगे, उसे लगे कि वह हमें वर्षों से जानता हो। यह बात बैरसिया विधायक विष्णु खत्री ने पीएम श्री सरोजिनी नायडू गर्ल्स हायर सेकेंडरी स्कूल में युवा दिवस के मौके पर आयोजित सामूहिक सूर्य नमस्कार कार्यक्रम के दौरान कही। उन्होंने स्कूल की छात्राओं को संबोधित करते हुए कहा कि स्वामी विवेकानंद जी एक योगी पुरूष थे, आज हम उनके बातये हुए योग प्राणायाम से शरीर को स्वस्थ रख सकते है। कार्यक्रम में स्कूली छात्राओं ने रेडियो के माध्यम से सूर्य नमस्कार और प्राणायाम किया। छात्राओ के साथ विधायक विष्णु खत्री ने भी सूर्य नमस्कार और प्राणायाम किया।

## नपा के सभाकक्ष में आयोजित हुआ लाड़ली बहना कार्यक्रम

आष्टा। प्रदेश की भारतीय जनता पार्टी की सरकार गरीब, असहाय व महिलाओं के लिए विभिन्न जनकल्याणकारी योजनाएं चला रही है और उन्हें घर-घर तक पहुंचाने का काम भी कर रही है। प्रदेश की सरकार द्वारा चलाई जा रही योजनाओं से सीख लेकर अन्य प्रदेश के जनप्रतिनिधिगण भी वहां अपने प्रदेश में क्रियान्वित योजनाएं संचालित करने में लगे है। प्रदेश सरकार द्वारा चलाई जा रही लाड़ली बहना योजना के सफल क्रियान्वयन से अन्य प्रदेश प्रेरित हुए है। इस आशय के विचार नपाध्यक्ष प्रतिनिधि रायसिंह मेवाड़ा ने नपा के सभाकक्ष में आयोजित लाड़ली बहना योजना के तहत उपस्थित लाभार्थी लाड़ली बहनों को संबोधित करते हुए व्यक्त किए। ज्ञात रहे कि मुख्यमंत्री लाड़ली बहना योजना के तहत कालापीपल जिला शाजापुर में आयोजित कार्यक्रम में मुख्यमंत्री लाडली बहना योजना की लाभार्थी महिलाओं को माह जनवरी 2025 की मासिक आर्थिक सहायता राशि, सामाजिक सुरक्षा पेंशन योजना की माह दिसम्बर 2024 की राशि तथा प्रधानमंत्री उज्जवला योजनांतर्गत एलपीजी गैस कनेक्शनधारी उपभोक्ताओं एवं गैर पीएम उज्ज्वला योजना श्रेणी की लाड़ली बहना हितग्राहियों को माह अक्टूबर 2024 की अनुदान राशि का सिंगल क्लिक से प्रदेश के मुख्यमंत्री मोहन यादव द्वारा अंतरण की गई, जिसका सीधा प्रसारण नगरपालिका के सभाकक्ष में वेबकास्ट के माध्य से उपस्थितजनों को दिखाया गया।कार्यक्रम के प्रारंभ में नपाध्यक्ष प्रतिनिधि रायसिंह मेवाड़ा ने उपस्थित लाड़ली बहनों को माह की किस्त के रूप में राशि प्राप्त होने पर बधाई देते हुए कहा कि हर चेहरे पर मुस्कान, समृद्ध प्रदेश की पहचान के संकल्प को लेकर ही प्रदेश की सरकार निरंतर जनकल्याणकारी योजनाएं सहित विकास कार्य करा रही है। लाड़ली बहना योजना के तहत लगभग 1574 करोड़ रूपयों की राशि नगर सहित प्रदेश की समस्त लाड़ली बहनों के खातों में आज अंतरित हुई है। इसी के साथ ही सामाजिक सुरक्षा पेंशन के लाभार्थियों को भी सौगात दी गई। लाड़ली बहना जैसी सफल योजना के तहत हमारा मध्यप्रदेश महिला सशक्तिकरण के लिए जागृति की मिसाल बना है।

## पंजाबी सनातन समाज के लोहड़ी महोत्सव का आयोजन आदर्श गार्डन- मोतीनगर चौराहा के पास होगा

सागर / पंजाबी संस्कृति के महत्त्वपूर्ण त्यौहार लोहड़ी उत्सव का सामूहिक आयोजन सागर के पंजाबी सनातन समाज द्वारा सोमवार 13 जनवरी को शाम 6.30 बजे से मोतीनगर चौराहे के पास आदर्श गार्डन में किया जा रहा है। पंजाबी संस्कृति का यह प्रमुख त्यौहार धूमधाम, नाच- गाने और मौज मस्ती के रूप में जाना जाता है।

सागर के पंजाबी सनातन समाज द्वारा मनाए जा रहे इस त्योहार पर आयोजित होने वाले सामूहिक कार्यक्रम में बच्चों व युवा वर्ग के नृत्य, गायन, वादन आदि मनोरंजक कार्यक्रमों की प्रस्तुति होगी। समाज के महिला वर्ग द्वारा गिद्दा व पुरुषों द्वारा भांगडे की धूम के साथ लोहड़ी रस्म का आयोजन किया जाएगा। डॉ संदीप सबलोक ने बताया कि इस दौरान मेधावी बच्चों, वरिष्ठजनों व समाज के नव आगंतुकों, नवजात शिशुओं व नव विवाहित जोड़ों का सम्मान कार्यक्रम भी रखा गया है।

लोहड़ी रस्म की धूम के बाद सामूहिक भोज का भी आयोजन किया जा रहा है।

पंजाबी सनातन समाज के वरिष्ठ सदस्य अशोक खत्री, विजयभूषण वर्मा, डॉ संदीप सबलोक, प्रदीप मेनरॉय, सुनील सागर, गुलशन पावा, रवि सेठी, हरीश खत्री, अजय छाबड़ा, प्रदीप रामपाल आदि ने सभी समाज-जनो से कार्यक्रम में

आवश्यक रूप से सपरिवार उपस्थित होने की सादर अपेक्षा व्यक्त की।

## मकर संक्रांति पर रेलवे ट्रैक के आसपास नही करे पतंगबाजी

भोपाल -इटारसी//भारत में मकर संक्रांति का पर्व बड़े उत्साह के साथ मनाया जाता है। भोपाल एवं आसपास के क्षेत्रों में इस अवसर पर पतंगबाजी का प्रचलन है। रेलवे विभाग सभी पतंग प्रेमियों से अपील कर्ता है कि रेलवे ट्रैक के आसपास पतंगबाजी नहीं करे क्योंकी हर साल इस कारण दुर्भाग्यपूर्ण दुर्घटनाएं होती हैं। भोपाल मंडल के सभी रेल खंडों पर रेलगाड़ियां विद्युत कर्षण प्रणाली से संचालित होती हैं।

वरिष्ठ मंडल वाणिज्य प्रबंधक सौरभ कटारिया ने बताया कि रेलवे ट्रैक के ऊपर लगी विद्युत तारों में 25,000 वोल्ट की बिजली प्रवाहित होती है। यदि पतंग की डोर इन तारों के संपर्क में आ जाती है तो तेज विद्युत प्रवाह के कारण घातक करंट लग सकता है। विशेष रूप से धातुयुक्त मांझा या गीली डोर के कारण यह करंट पतंग उड़ाने वाले तक सीधे पहुंच सकता है, जो कि जानलेवा हो सकता है। इसके अतिरिक्त, तेज गति से चल रही रेलगाड़ियों के संपर्क में आकर भी गंभीर दुर्घटनाएं हो सकती हैं। रेलवे प्रशासन आम जनता से अपील करता है कि पतंगबाजी के लिए रेलवे ट्रैक और रेलवे परिसर से दूर रहें। इसके साथ ही रेलवे ट्रैक को अनाधिकृत स्थानों से पार करना रेलवे अधिनियम 1989 की धारा 147 के तहत दंडनीय अपराध है। ऐसा करने पर ?1,000 तक का आर्थिक दंड, 6 माह का कारावास या दोनों हो सकते हैं। मंडल रेल प्रबंधक देवाशीष त्रिपाठी के मार्गदर्शन में मकर संक्रांति पर्व के मद्देनजर रेलवे सुरक्षा बल और संरक्षा विभाग द्वारा विशेष जागरूकता अभियान चलाए जा रहे हैं।

## अखंड ब्राह्मण सेवा समिति महिला प्रकोष्ठ शाखा में शपथग्रहण समारोह सम्पन्न

आष्टा। अखंड ब्राह्मण सेवा समिति महिला प्रकोष्ठ शाखा आष्टा का शपथग्रहण समारोह का आयोजन कन्नौद रोड पर किया गया। जिसमें अतिथि के रूप में अखंड ब्राह्मण सेवा के संस्थापक राष्ट्रीय अध्यक्ष पंडित सुभाष चतुर्वेदी, पंडित श्रीमति मोना थापक, उत्तम नारायण तिवारी, निलेश कुमार शर्मा उपस्थित रहे । संगठन के राष्ट्रीय अध्यक्ष सुभाष चतुर्वेदी ने कहा कि ब्राह्मण समाज को संगठित करने एवं अपने बच्चों को पढ़ाई के साथ व्यवसायिक शिक्षा प्रदान करने पर जोर दिया।

इस अवसर पर महिला प्रकोष्ठ शाखा आष्टा की श्रीमती विजय श्री शर्मा, दुर्गा तिवारी, मंजू पालीवाल, नीता शर्मा, उषा तिवारी, सोनु शर्मा, श्रृद्धा उदेनिया, पिंकी शर्मा, प्रीति शर्मा, विना पुरोहित, प्रभा मिश्रा, निशा दुबे, नीता तिवारी, शालिका शर्मा सहित सदस्य गण उपस्थित रहे।

## सरस्वती शिशु मन्दिर में ग्रामोत्सव धूमधाम से मनाया गया

### छात्रों ने संस्कृति, संस्कार और पर्यावरण संरक्षण की दी आकर्षक प्रस्तुति

औबेदुल्लागंज संवाददाता -विद्या भारती मध्य भारत प्रांत द्वारा मार्गदर्शित भोजपुर ग्राम भारती शिक्षा समिति द्वारा संचालित सरस्वती शिशु मन्दिर विद्यालय आशापुरी में भव्य ग्रामोत्सव कार्यक्रम सानंद सम्पन्न* हुआ।

भोजपुर ग्राम भारती शिक्षा समिति जिला रायसेन के जिला सचिव दौलत सिंह ठाकुर सिंह ने अपने उद्बोधन में कहा कि सप्त मण्डल और गांव की सहभागिता से अपने गांव को समरस और स्वाबलंबी बनाएं। पौधारोपण कर,जल बचाकर, अपने गांव को पन्नी मुक्त बनाना है। सरस्वती शिशु मन्दिर विद्यालय संस्कार युक्त शिक्षा देते हैं। हमारे गांव पर्यावरण युक्त बनेंगे तभी हमारा भारत समरस और स्वाबलंबी बनेगा।*

संघ के सौ वर्ष होने पर पंच परिवर्तन सामाजिक समरसता, पर्यावरण संरक्षण, कुटुम्ब प्रबोधन, स्वदेशी और नागरिक कर्तव्य विषय पर विस्तार से जानकारी दी।

वरिष्ठ साहित्यकार और विभाग समरसता प्रमुख गोपेश वाजपेई ने अपने उद्बोधन में कहा कि अभी आपने छात्रों की आकर्षक प्रेरणादायक प्रस्तुति देखी। बहुत अच्छा लगा। विद्यालय परिवार को बधाई ग्रामोत्सव विद्या भारती की अभिनव पहल है। इसके माध्यम से गांव में उत्साह बढ़ाएं मेरा गांव मेरा तीर्थ है। हमारे गांव शिक्षा संस्कृति, संस्कार और सामाजिक चेतना के केंद्र बनें। पंच परिवर्तन से समाज में सकारात्मक परिवर्तन आएगा । आगे उन्होंने कहा कि सरस्वती शिशु मन्दिर विद्यालयों में संस्कार युक्त शिक्षा और नैतिक मूल्यों की शिक्षा दी जाती है। जल संरक्षण कर अपने गांव को पर्यावरण युक्त बनाएं ग्रामोत्सव कार्यक्रम में शामिल भैया बहिनों, पूर्व छात्रों,

अभिभावकों एवं ग्राम वासियों को संबोधित करते हुए उन्होंने कहा कि विद्या भारती पूरे भारत में संस्कार युक्त शिक्षा देने का सकारात्मक कार्य कर रही है। उन्होंने परिवार प्रबोधन, बालिका शिक्षा, शिशु शिक्षा, वर्तमान स्थिति को ध्यान में रखते हुए युवा पीढ़ी को सचेत करते हुए सामाजिक एवं व्यावहारिक जीवन की जानकारी विस्तार से दी। अपने उद्बोधन में कहा शिक्षा देने का काम बहुत विद्यालय कर रहे हैं पर सरस्वती शिशु मन्दिर विद्यालय में बालकों को समग्र विकास, संस्कृति, संस्कार, और मां वाप का सम्मान करना यह सिखाया जाता है। उन्होंने कहा कि सरस्वती शिशु मन्दिर विद्यालय का छात्र अपना अपने विद्यालय का परिवार का और अपने गांव के विकास को प्राथमिकता देते हुए कार्य करेगा ग्राम उत्सव को लेकर *गांव में स्वच्छता , तोरणद्वार, रंगोली, भगवा पताका प्रत्येक घर पर लगाई गई है। अपने गांव को ग्राम वासियों ने दुल्हन की तरह सजाया है।

## आर्मी जालंधर और एनसीआर के फाइनल हॉकी मैच ने दर्शकों का दिल जीता

**इटारसी।** नगर पालिका परिषद के तत्वावधान में जिला हॉकी संघ द्वारा आयोजित अखिल भारतीय महात्मा गांधी स्मृति हॉकी प्रतियोगिता का विजेता बनने को गौरव आर्मी ग्रीन जालंधर ने 3-1 गोल करके जीत अपने नाम दर्ज की । उत्तर-मध्य रेलवे प्रयागराज की टीम ने शानदार खेल का प्रदर्शन रहा, परन्तु उनको उपविजेता बनकर संतुष्ट होना पड़ा। अतिथियों ने विजेता और उपविजेता टीम को कप तथा नगद राशि 71 हजार और 51 हजार सहित व्यक्तिगत पुरस्कार प्रदान दिये। प्रतियोगिता का फ्लैग उतारकर अगले वर्ष के लिए नपाध्यक्ष पंकज चौरे, डीएचए पचौरी, विधायक डॉ. सीतासरन शर्मा, नगर पालिका परिषद के अध्यक्ष पंकज चौरे, मप्र तैराकी संघ के अध्यक्ष पीयूष शर्मा, नर्मदापुरम से डॉ. अतुल सेठा, नर्मदापुरम पत्रकार संघ के अध्यक्ष प्रमोद पगारे, एलकेजी के संचालक निपुण गोठी, वरिष्ठ हॉकी खिलाड़ी और डीएचए के मार्गदर्शक एससी लाल, डीएचए के अध्यक्ष प्रशांत जैन, कार्यकारी अध्यक्ष शिरीष कोठारी, टूर्नामेंट कमेटी के अध्यक्ष राहुल चौरे, कोषाध्यक्ष सर्वजीत सिंघ सैनी, उपाध्यक्ष डॉ. ताविश अरोरा, जयराज सिंह भानू, रविन्द्र जोशी, पार्षद श्रीमती मनीषा अग्रवाल, सीमा भदौरिया, नाजिया बेग, राहुल प्रधान, जिमी कैथवास, शुभम गौर, नर्मदापुरम से सागर शिवहरे, डीएचए सचिव कन्हैया गुरयानी सहित संघ के सभी पदाधिकारी सहित अन्य हॉकी सदस्य मौजूद रहे। संचालन हिमांशु बाबू अग्रवाल द्वारा किया? गया।

इस अवसर पर विधायक डॉ.सीतासरन शर्मा ने कहा, एस्ट्रोटर्फ के लिए 7 करोड़ रुपए स्वीकृत हुए थे, कुछ लोगों के मैदान पर आपत्ति के कारण देरी हुई तो राशि लेप्स हो गयी। लेकिन, उन्होंने आश्वस्त किया कि ऐसे कई सात करोड़ आएंगे, और टर्फ लगेगा।

मप्र तैराकी संघ अध्यक्ष पीयूष शर्मा ने कहा कि सुबह मैदान देखा तो लगा कि मैच कराना असंभव है, लेकिन डीएचए और नपा की टीम को बधाई कि उन्होंने मैदान को खेल के लिए तैयार कर लिया। इस आयोजन को मीडिया से जो समर्थन मिला, उसके लिए उनका बहुत आभार। डीएचए अध्यक्ष प्रशांत जैन ने स्वागत उद्बोधन में कहा कि टूर्नामेंट की यह श्रंखला कभी नहीं थमने देंगे, टर्फ भी लगेगा यह पूरा भरोसा है।

## कुपोषण दूर करने में झाबुआ के 'मोटी-आई' मॉडल को देश ने जाना, उदयपुर में मंत्री निर्मला भूरिया ने मॉडल को बताया वरदान

झाबुआ-राजस्थान के उदयपुर में केंद्रीय महिला बाल विकास मंत्रालय द्वारा आयोजित चिंतन शिविर में झाबुआ का मोटी-आई मॉडल छा गया। शिविर के दूसरे दिन प्रदेश की केबिनेट मंत्री निर्मला भूरिया ने देश भर के महिला बाल विकास मंत्रियों के सामने आदिवासी अंचल में किए जा रहे इस नवाचार का जिक्र किया। इस नवाचार को स्थानीय कलेक्टर नेहा मीना के द्वारा महिला बाल विकास विभाग, स्वास्थ्य व आयुष विभाग के संयुक्त सहयोग से संचालित किया जा रहा है। इस दौरान उन्होंने इस मॉडल की सूत्रधार झाबुआ जिला प्रशासन का भी खास तौर पर जिक्र किया।

मंत्री सुश्री भूरिया ने कहा- मैं आदिवासी अंचल झाबुआ से आती हूं, जहां बच्चो में कुपोषण के बहुत सारे स्थानीय कारण मौजूद है। वैसे तो पूरे मप्र में कुपोषण निवारण के लिए मुख्यमंत्री बाल आरोग्य संवर्धन कार्यक्रम प्रभावी ढंग से चलाया जा रहा है, किंतु जनजातीय बाहुल्य इलाकों की विशेष आवश्यकताओं को देखते हुए मेरे जिले झाबुआ में मोटी आई जैसा नवाचार किया गया है।

मंत्री सुश्री भूरिया ने बताया मोटी आई जिसे बड़ी मां भी कहा जाता है उन्हें विशेष प्रशिक्षण दिया गया।मोटी-आई के द्वारा कुपोषित बच्चों की आयुर्वेद

के अनुसार तेल से नियमित मालिश की जा रही है साथ ही स्थानीय सहयोग से बच्चों को विशिष्ट पौष्टिक आहार दिया जा रहा है। ये मोटी आई उन बच्चों के लिए वरदान बन गई है जिनके माता-पिता पलायन कर बच्चों को घर के बुजुर्ग के पास छोड़ जाते है। इन 'मोटी-आई' की बदौलत आज बिना किसी बजट के झाबुआ जिले में 1950 गंभीर कुपोषित बच्चों के पोषण स्तर को सामान्य बनाने के लिए किए जा रहे एकजुट प्रयासों के सकारात्मक परिणाम सामने आए हैं। अब तक करीब 600 बच्चे गंभीर कुपोषण से उबरकर सामान्य पोषण की श्रेणी में आ गए हैं, जो अभियान के सकारात्मक परिणाम दिखते है। आने वाले अध्यक्ष प्रशांत जैन और आयोजन दिनों में समिति अध्यक्ष राहुल चौरे को प्रदान ह मकिया गया।

झाबुआ प्रतियोगिता में बतौर मुख्य िज ले अतिथि पूर्व केन्द्रीय मंत्री सुरेश को 'कुपोषण मुक्त अभियान' के मॉडल के रूप में प्रस्तुत करेंगे।

इस प्रेजेंटेशन के दौरान राजस्थान के मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा, केंद्रीय महिला बाल विकास मंत्री अन्नपूर्णा देवी, केंद्रीय राज्यमंत्री सावित्री ठाकुर, राजस्थान की उप मुख्यमंत्री दीया कुमारी सहित विभिन्न राज्यों से आए महिला बाल विकास मंत्री मौजूद थे।

मंत्री निर्मला भूरिया ने गिनाई प्रदेश की महिला एवं बाल विकास मंत्री निर्मला भूरिया ने मप्र की ओर से दो सुझाव भी रखे।

मप्र की ओर से दिए दो सुझाव-

1. पहला महत्वपूर्ण बिन्दु प्रशिक्षण केंद्र का था। मंत्री सुश्री भूरिया ने कहा- पूर्व में आंगनवाड़ी कार्यकर्ताओं और सहायिकाओं की प्रशिक्षण की एक सुनिश्चित व्यवस्था संचालित थी। इन केंद्रों को पुनः चालू कर कार्यकर्ताओं और सहायिकाओं के प्रशिक्षण का एक सुनिश्चित कैलेंडर जारी किया

**Name Change**

My name is Sairaditya Deshmukh son of Shri Hemant Deshmukh. I have changed my name from Sairaditya Deshmukh to Sairaditya Hemant Deshmukh.

**Sairaditya Hemant Deshmukh**
**66, Amrapali Enclave**
**Chunabhati, Kolar Road**
**Bhopal. 462016**

**कार्यालय ग्राम पंचायत खेमरखापा**
**जनपद पंचायत मण्डला जिला मण्डला**

Email Id-gpsomarkhapaww@gmail.com

क्र./ग्रा.पं./ नि.आ./2025/31 दिनांक 10/01/2025

ग्राम पंचायत सेमरखापा जनमपद पंचायत मण्डला द्वारा वित्तीय वर्ष 2024/25 में अतिरिक्त स्टाम शुल्क की राशि प्रदेश स्तर अंतर्गत नवीन पंचायत भवन निर्माण कार्य ग्राम अचली में लगने वाली रेत, गिट्टी, ईट, लोहा (सरिया) सीमेंट, मुर्रम, मिक्सर मशीन, सेंट्रिंग वाइब्रेटर, खिड़की दरवाजा, वेंटिलेशन, टाईल्स पुट्टी, इमलशन, पेंट, विद्युत सामग्री, प्लम्बरिंग सामग्री एवं अन्य सामग्री आदि का जीएसटी बिल वाले सामग्री सप्लायरों से बंद लिफाफे में निर्धारित सामग्री दर के अनुसार निविदा आमंत्रण दिनॉक से 10 दिवस के अंदर कार्यालयीन समय पर निविदा आमंत्रित की जाती है। निविदा संबंधी विस्तृत जानकारी कार्यालय के सूचना पटल पर पढ़ी व देखी जा सकती है।

**सरपंच**
**ग्राम पंचायत खेमरखापा**
**जनपद पंचायत मण्डला**

**सचिव**
**ग्राम पंचायत खेमरखापा**
**जनपद पंचायत मण्डला**

## सोशल मीडिया से

# अस्वस्थ गीता नेताम का हाल जानने पहुंचे पहुंचे उसके निवास डॉ. चरणदास महंत

कोरबा (ईएमएस) अपने कोरबा जिले के प्रवास और व्यस्त दौरे से अपना बहुमूल्य समय निकालकर बिलासपुर में शादी समारोह में जाने से पूर्व रात्रि 10 बजे नेता प्रतिपक्ष डॉ. चरण दास महंत पाली पहुँचे। वहा उन्होंने वरिष्ठ राजनेत्री श्रीमती गीता नेताम के स्वास्थ्य का हाल जानने उनके टावर मोहल्ला स्थित निवास पहुँच कर गीता नेताम का कुशल क्षेम जाना। साथ ही उन्हें शीघ्र स्वस्थ्य होने शुभकामना दी। डॉ. महंत ने कहा कि ईश्वर से प्रार्थना करते हैं कि गीता देवी जैसे वरिष्ठ कर्मठ कार्यकर्ता का आशीर्वाद और स्नेह उन्हें और पार्टी को मिलता रहे। इस दौरान उनके साथ पूर्व विधायक मोहित राम केरकेट्टा, पाली ब्लॉक अध्यक्ष यशवंत लाल सहित पार्टी पदाधिकारी और कार्यकर्ता उपस्थित थे। विदित हो कि श्रीमती नेताम ब्रेन हेमरेज होने के बाद मौत की चुनौती पर विजय पाकर लगभग विगत एक वर्ष से घर पर स्वास्थ्य लाभ ले रही हैं।

# केडीएम के कुंभ डिजिटल मेले में हुआ टेक्नोलॉजी और संस्कृति का संगम

मुंबई, एजेंसी। केडीएम भारत में लाइफ़स्टाइल एवं मोबाइल एक्सेसरीज़ का प्रमुख ब्रांड है, जिसने अपनी कुंभ डिजिटल मेला पहल के साथ स्थायी एवं उपयोगी टचप्वाइंट्स की स्थापना की है, और इस तरह महाकुंभ 2025 की सफलता को आकार देने में अपनी भूमिका को मजबूत बनाया है। कुंभ डिजिटल मेला दरअसल ब्रांड केडीएम का संक्षिप्त रूप है।

इस अवसर पर केडीएम के संस्थापक, श्री एन. डी. माली ने कहा, भारत 2047 तक विकसित भारत के सफ़र पर आगे बढ़ रहा है, इसलिए हमें भी मेक इन इंडिया के साथ-साथ हमें मेक फॉर द वर्ल्ड के मंत्र के साथ आगे बढ़ना चाहिए। कुंभ डिजिटल मेला पहल इस बात को दर्शाता है कि, हम आर्थिक प्रगति और संस्कृति की हिफाज़त के लिए टेक्नोलॉजी का लाभ उठाने और संस्कृति को अपनाने के संकल्प पर कायम हैं।

# महाकुंभ में दिखेगी मध्यप्रदेश की संस्कृति की झलक

## मंदिर, ऐतिहासिक धरोहर की जानकारी देंगे; रोज होगी सांस्कृतिक प्रस्तुतियां

**भोपाल।** उत्तरप्रदेश के प्रयागराज में 13 जनवरी से 26 फरवरी तक होने वाले महाकुंभ मेले में मध्यप्रदेश की संस्कृति की झलक भी दिखाई देगी। संस्कृति विभाग सांस्कृतिक धरोहर, मंदिरों, साहित्य के साथ फिल्मों एवं नृत्य, गायन, वादन और अन्य को प्रदर्शित करेगा।

# कैलिफोर्निया बादाम के साथ सेहतमंद स्वाद में घुल-मिलकर मनाएं फसलों के त्योहार का जश्न

मुंबई, एजेंसी। भारत में फसलों की कटाई का सीजन बड़े उत्साह और खुशी के साथ मनाया जाता है। इसे देश के अलग-अलग हिस्सों में विभिन्न नामों से जाना जाता है, जैसे बंगाल में मकर संक्रांति,दक्षिण में पोंगल, और अन्य जगहों पर लोहड़ी, बिहू या बैसाखी। भले ही इन त्योहारों की परंपराएं और नाम अलग हों, लेकिन हर जगह स्वादिष्ट मिठाइयों और व्यंजनों का आनंद लेना सभी को एक साथ जोड़ता है। लोग मिलकर इस मौसम की खुशियां मनाते हैं। इस बार, 2025 के त्योहार को और खास और सेहतमंद बनाने के लिए कैलिफोर्निया आमंड्स का उपयोग करें। कैलिफोर्निया के बादाम, जिन्हें ड्राय फ्रूट्स का राजा कहा जाता है, पोषण से भरपूर होते हैं। इनमें 15 महत्वपूर्ण पोषक तत्व जैसे प्रोटीन, हेल्दी फैट्स, फाइबर, विटामिन और मिनरल्स पाए जाते हैं, जो सेहत के लिए बेहद फायदेमंद हैं। कटाई के सीजन का जश्न अपनों के साथ मनाना सभी को खुशी देता है, लेकिन इस दौरान खाने-पीने में सतर्क रहना भी जरूरी है। खासतौर पर भारत में डायबिटीज, हाई कोलेस्ट्रॉल और मोटापा जैसी बीमारियों के बढ़ते मामलों को देखते हुए यह और भी अहम हो जाता है। विश्व स्वास्थ्य संगठन के अनुसार, हर साल भारत में छह मिलियन लोग इन समस्याओं का शिकार होते हैं, और 2030 तक इन बीमारियों की वजह से देश पर 6 ट्रिलियन डॉलर का बोझ पड़ सकता है। त्योहारों पर स्वादिष्ट खाने का मजा लेते हुए भी सेहतमंद रहना आसान है। इसके लिए बस अपने आहार में पोषण से भरपूर चीजें, जैसे बादाम, शामिल करें। बादाम कार्बोहाइड्रेट वाले खाद्य पदार्थों के साथ खाने पर ब्लड शुगर के स्तर को नियंत्रित करने में मदद कर सकते हैं। यह फास्टिंग इंसुलिन लेवल को सही बनाए रखते हैं और कुल मिलाकर सेहत को बेहतर बनाए रखने में सहायक होते हैं। कैलिफोर्निया बादाम को रोजाना के आहार में शामिल करना सेहत के लिए फायदेमंद है, खासकर वजन नियंत्रण में मदद के लिए। इनमें भरपूर फाइबर और संतोषजनक गुण होते हैं, जो भूख को लंबे समय तक शांत रखते हैं।

# उद्योगपति गौतम अडानी का कोरबा दौरा, लैंको पावर प्लांट निरीक्षण से क्षेत्र में विकास की उम्मीद...

कोरबा। देश के प्रसिद्ध उद्योगपति और अडानी ग्रुप के चेयरमैन गौतम अडानी ने आज कोरबा का दौरा किया और लैंको पावर प्लांट (अमरकंटक) का निरीक्षण किया। उनके इस दौरे से प्लांट के विस्तार और क्षेत्र में आर्थिक विकास की नई संभावनाएं प्रबल हो गई हैं।

बता दें कि गौतम अडानी अपने चार्टर्ड प्लेन से रायपुर और रायगढ़ होते हुए कोरबा पहुंचे। इसके बाद वे हेलीकॉप्टर से पताढ़ी स्थित अडानी पावर लिमिटेड (लैंको अमरकंटक) पहुंचे। उन्होंने लगभग दो घंटे तक प्लांट का निरीक्षण किया और अधिकारियों से इसके संचालन और उत्पादन की विस्तृत जानकारी ली। सूत्रों के अनुसार, अडानी ग्रुप लैंको पावर प्लांट के विस्तार की योजना बना रहा है। इस विस्तार से प्लांट की उत्पादन क्षमता बढ़ाने और संचालन को और अधिक कुशल बनाने का लक्ष्य है। गौतम अडानी के इस दौरे से कोरबा और आसपास के क्षेत्र में रोजगार के नए अवसर उत्पन्न होने की संभावना है। प्लांट के विस्तार से बड़ी संख्या में स्थानीय युवाओं को रोजगार मिलेगा। इसके साथ ही, आर्थिक गतिविधियां बढ़ने से क्षेत्र में व्यापार और विकास को बढ़ावा मिलेगा। गौतम अडानी ने प्लांट के निरीक्षण के दौरान अधीनस्थ अधिकारियों के साथ विस्तृत चर्चा की। उन्होंने प्लांट की मौजूदा स्थिति, उत्पादन क्षमता और भविष्य की संभावनाओं पर फीडबैक लिया। अडानी ग्रुप क्षेत्र में लंबे समय तक निवेश की संभावनाओं पर भी विचार कर रहा है।

# आदर्श महाविद्यालय का निर्माण शीघ्र पूरा करने विधायक ने दिए निर्देश

## ललिता यादव ने निर्माणकार्य स्थल का किया निरीक्षण

**छतरपुर।** शासकीय आदर्श महाविद्यालय की ग्राम हमा में काली देवी मंदिर के पास बन रहे भवन को छतरपुर विधायक श्रीमती ललिता यादव ने शनिवार को निरीक्षण कर आवश्यक दिशा-निर्देश दिए। आदर्श महाविद्यालय के इस भवन का निर्माण कार्य काफी समय से अधूरा पड़ा है। गौरतलब है कि वर्ष 2018 में तत्कालीन मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान ने इस निर्माणकार्य का भूमि-पूजन किया था। इसका निर्माण गौरईया रोड पर होना प्रस्तावित था। निर्माण एजेंसी लोक निर्माण विभाग को बनाया गया है। बाद में कांग्रेस की सरकार आ जाने के कारण आदर्श महाविद्यालय का स्थान बदलकर गौरईया रोड की बजाए हमा कर दिया गया। लेकिन बाद में फिर भाजपा की सरकार आ जाने से आदर्श महाविद्यालय का निर्माणकार्य तेजी से प्रारंभ हुआ किंतु पिछले कुछ समय से यह निर्माण कार्य पूर्ण नही हो पा रहा है। विधायक श्रीमती ललिता यादव ने लोकनिर्माण विभाग के अधिकारियों को निर्देश दिए कि आदर्श महाविद्यालय के भवन का निर्माणकार्य शीघ्र से शीघ्र पूरा किया जाए ताकि अगले सत्र से महाविद्यालय में पढ़ाई सुचारू रूप से हो सके।

# पेट्रोल-डीजल कारों पर बढ़ेगा टैक्स, ईवी पर सब्सिडी और पार्किंग फ्री

नई ईवी पॉलिसी-2025 का ड्राफ्ट तैयार हो गया है। पॉलिसी में ईवी वाहनों को बढ़ावा देने के लिए पार्किंग शुल्क में एक साल की छूट, डीजल वाहनों पर प्रदूषण सेस और शुरुआती खरीदारों के लिए सब्सिडी का प्रावधान है।

डेढ़ साल के इंतजार के बाद मध्यप्रदेश की ईवी पॉलिसी-2025 का ड्राफ्ट तैयार हो गया है। नगरीय विकास एवं आवास विभाग इसे इसी महीने के अंत तक जारी कर सकता है। ड्राफ्ट में पूरे राज्य में ईवी वाहनों को एक साल तक पार्किंग शुल्क में छूट देने और शुरुआती खरीदारों के लिए सब्सिडी का प्रावधान है। ईवी सब्सिडी क्लेम करने के लिए एक पोर्टल भी बनाया जाएगा।

वहीं, भोपाल, इंदौर, ग्वालियर, जबलपुर और उज्जैन को मॉडल ईवी शहरों के रूप में विकसित किया जाएगा। सरकारी विभागों और एंबुलेंस वाहनों को भी ईवी में बदला जाएगा। चार्जिंग इंफ्रास्ट्रक्चर के लिए ग्रीन बॉन्ड जारी किए जाएंगे। ट्रैफिक जाम रोकने के लिए ई-रिक्शा के संचालन पर सीमित क्षेत्रों में प्रतिबंध रहेगा। राज्य का लक्ष्य अगले 5 साल में ईवी वाहनों की हिस्सेदारी में वृद्धि करना है।

ईवी वाहनों को बढ़ावा देने की तैयारी

नई पॉलिसी 5 साल के लिए लागू होगी। इसके तहत डीजल वाहनों पर प्रदूषण सेस लगाया जाएगा, जबकि महंगी पेट्रोल-डीजल कारों पर रोड टैक्स बढ़ाया जाएगा। मप्र ईवी प्रमोशन बोर्ड की स्थापना की जाएगी, जो ईवी सिस्टम का संचालन करेगा।

भोपाल, इंदौर, ग्वालियर, जबलपुर और उज्जैन को मॉडल ईवी शहरों के रूप में विकसित किया जाएगा। सरकारी विभागों और एंबुलेंस सहित अन्य वाहन भी ईवी में बदलने का लक्ष्य रखा गया है।

नगरीय निकाय चार्जिंग इंफ्रास्ट्रक्चर के लिए ग्रीन बॉन्ड जारी करेंगे। ट्रैफिक जाम रोकने के लिए ई-रिक्शा केवल चुनिंदा इलाकों में चलाने की अनुमति होगी।

गुजरात और महाराष्ट्र जैसे राज्यों की तुलना में मप्र ने ईवी पर अलग-अलग सब्सिडी दी है। मप्र का लक्ष्य अगले 5 साल में टू-व्हीलर ईवी की हिस्सेदारी 40त्न, थ्री-व्हीलर की 70त्न, कारों की 15त्न और बसों की 40त्न तक बढ़ाना है।

1. नई ईवी पॉलिसी कब लागू होगी?

नई ईवी पॉलिसी-2025 इसी महीने के अंत तक लागू हो सकती है।

2. पॉलिसी में ईवी वाहनों के लिए क्या प्रावधान हैं?

ईवी वाहनों को पार्किंग शुल्क में छूट, सब्सिडी और चार्जिंग इंफ्रास्ट्रक्चर के लिए ग्रीन बॉन्ड का प्रावधान है।

3. किन शहरों को मॉडल ईवी शहर बनाया जाएगा? भोपाल, इंदौर, ग्वालियर, जबलपुर और उज्जैन को मॉडल ईवी शहरों के रूप में विकसित किया जाएगा।

4. क्या डीजल वाहनों पर कोई नया टैक्स लगाया जाएगा?

जी हां, डीजल वाहनों पर प्रदूषण सेस लगाया जाएगा।

5. ईवी सब्सिडी कैसे प्राप्त की जा सकती है?

ईवी पोर्टल पर जाकर सब्सिडी ऑनलाइन क्लेम की जा सकेगी।

# अल्लाह बूट हाउस कहीं नहीं मिलेगा, वे सतर्क हैं और हिंदू कर रहे बेकद्री

प्रदेश और देश का सबसे चर्चित चेहरा। वाकपटु, सुदर्शन व्यक्तित्व, मोहिनी मुस्कान, युवा तरुणाई, बेहद प्रभावशाली संवाद शैली और ईश्वरीय कृपा के धनी भी। हम बात कर रहे हैं बागेश्वर धाम के पीठाधीश्वर पंडित धीरेंद्र कृष्ण शास्त्री की। जनता उनसे लाड़ करती है, दुलार करती है। वे यूथ आइकॉन हैं... यही वे तमाम कारण हैं, जो उन्हें मौजूदा दौर का सबसे आकर्षक क्राउड पूलर बनाते हैं।

आनंद पांडे ने धीरेंद्र शास्त्री से संभल से सत्ता तक, ज्ञान से अध्यात्म तक और राजनीति से उनके रेल तक के किस्से पर विस्तृत बातचीत की। कभी ठहाकेदार हंसी, कभी मंद मुस्कान और कभी धीर गंभीर अंदाज में उन्होंने हर सवाल का बेबाकी से जवाब दिया। हिन्दू राष्ट्र के सवाल पर शास्त्री ने कहा, मेरे अनेकों लक्ष्य में एक हिन्दू राष्ट्र भी है। एक लक्ष्य यह भी है कि इस देश से भेदभाव खत्म होना चाहिए। एक लक्ष्य यह है कि इस देश में न कोई अमीर हो और न कोई गरीब हो। हमारा एक लक्ष्य है कि व्यक्ति तर्कवादी हो। ज्ञान से भी भरा हो और विज्ञान से भी। माथे पर भले तिलक न हो, पर उसके चक्कर में हिन्दुत्व कहीं भी फीका न हो।

**सवाल-** हिन्दू राष्ट्र का लक्ष्य आज की तारीख में हमारे संविधान के हिसाब से असंभव सा काम नहीं है?

**शास्त्री-** इस संसार में असंभव कुछ भी नहीं है। जब चंद्रयान 3 लॉन्च होकर सफल हो सकता है। जब एक दिव्यांग व्यक्ति दौड़ सकता है। नरेंद्र नाम का छोटा सा बालक स्वामी विवेकानंद बन सकता है। छोटे से अमेरि?का में जन्म लेकर अनेक बार चुनाव हारने के बावजूद एक बालक अब्राहम लिंकन बन सकता है। तुलसीदास जी द्गठ्ठद्बह्वद्दद्धह्लद्गह्म्(प्रबुद्ध) हो सकते हैं। मीरा को कृष्ण मिल सकते हैं। सूरदास को गोविंद के दर्शन की प्राप्ति हो सकती है। रसखान, रहीम, रैदास को भगवत प्राप्ति हो सकती है। इसलिए हमें नहीं लगता कि दुनिया में कुछ भी असंभव है। असंभव मात्र एक शब्द है। न हमें पोस्टर बॉय बनना है, न हमें तालियां चाहिए, न हम यह कहते हैं कि ये करके मानेंगे। हमने तो अपने विचारों की क्रांति प्रकट की है। लोगों के मन में बीज बो देंगे। हम तो यही कहते हैं कि जब 500 वर्ष श्रीराम मंदिर को लग गए, 1857 से लेकर 1947 तक देश को आजाद होने में लग गए। हमें भी दो सौ, तीन सौ साल लगें, तो हम भी हम पीछे नहीं हटेंगे।

**सवाल-** बिना राजनीतिक ताकत के हिन्दू राष्ट्र के लक्ष्य को आप कैसे हासिल कर पाएंगे? संसद में बिना संख्या बल के यह कैसे पूरा होगा?

**शास्त्री-** देखिए, राजनीति कुछ है, पर सब कुछ नहीं है। देश को चलाने के लिए राजनीति जरूरी है, पर राजनीति को चलाने के लिए राजनेता बनना जरूरी नहीं है। आज जो युवा सुन रहे हैं, कल वो देश का गौरव होंगे और धोखे से यदि वे समाज में राजनीतिक पदों पर प्रतिष्ठित होते हैं तो वे निश्चित तौर पर हमारे विचारों को सुनकर संसद में रखेंगे। हमारी तैयारी यह नहीं है कि हम संसद में अपने सांसद भेजें, हमारी तैयारी यह है कि हम सांसदों के दिल में अपने विचार पहुंचा सकें।

**सवाल-** बॉलीवुड को लेकर कंट्रोवर्सी चल रही है। अन्नू कपूर कहते हैं, बॉलीवुड ने हिन्दू धर्म को बहुत खराब ढंग से पिक्चर किया है, आप कैसे व्याख्या करते हैं, इसकी?

**शास्त्री-** 1980 के दशक में एक पिक्चर आई थी, संतोषी मां। कहा जाता है कि करीब दो साल तक शुक्रवार को टमाटर नहीं बिके। पिक्चरों का बड़ा क्रेज होता है। हमें इस बात का दुख है कि भारतीय सिने जगत के कुछ लोगों ने गलती यह की है कि गुंडा के माथे पर तिलक दिखाया और टोपी वालों को ईमानदार बताया। हम इस बात की तकलीफ है कि कुछ लोगों ने गुनाहों का देवता बनाया, पर गुनाहों का मौलाना नहीं बनाया। हमें सिनेमा जगत के कुछ लोगों पर इसलिए भी बहुत ज्यादा दिक्कत होती है, क्योंकि हवस का पुजारी हो जाता है, पर हवस का हाजी, मौला या पादरी नहीं होता। ये प्रायोजित तरीके से ब्रेन को कन्वर्ट करने के लिए किया गया है। इसमें पंडे पाखंडी होते हैं, महात्मा पाखंडी होते हैं, सेठ लालची होते हैं, ठाकुर बहुत सामंतवादी होते हैं और हिंसावादी होते हैं। ऐसे दिखाए गए, ताकि हिन्दुओं में ही फूट डल जाए। भविष्य की प्री प्लानिंग थी, लेकिन देखिए, देश बदला, समय बदला, भाग्य बदला और अभिनय जगत के लोग बदले, स्टोरी लिखने वाले बदले... अब देश में ऐसा समय आ गया कि द कश्मीर फाइल्स जैसी फिल्में बनती हैं।

**सवाल-** लेकिन, क्या आपको नहीं लगता कि इसके लिए हिन्दू की दोषी हैं? इसके दो बड़ी वजह हैं, एक तो ?पटाखों पर भगवान की फोटो होती है, परखच्चे उड़ जाते हैं। दूसरा, आपने कई जगह देखा होगा कि बिल्डिंग्स में टाइल्स लगते हैं और वे भी भगवानों के, ताकि कोई वहां गंदगी न करे। हम तो खुद बेकद्री कर रहे हैं, अपने समाज की, आप कैसे देखते हैं इसे?

**शास्त्री-** आपने जो सवाल किया, इसकी जरूरत तब नहीं पड़ती, जब ?देश में हिन्दू जाग्रत होते। निश्चित रूप से इनके अंदर कायरता है। ये डरे हुए हैं, डरपोक हैं। इसलिए ये इतना सह पाए और सह रहे हैं। आपने तो ये दो तर्क दिए, हम इसकी उल्टी बात कहते हैं। आपने राम बूट हाउस सुना, आपने कभी मौला बूट हाउस नहीं सुना होगा। श्याम बूट हाउस मिल जाएगा आपको, लेकिन कभी अल्लाह बूट हाउस नहीं मिलेगा या ईसामसीह बूट हाउस नहीं मिलेगा। इससे पता चलता है कि वे अपने धर्म और भगवान के प्रति अलर्ट और सजग हैं और हम कितने ?बेफिजूली हैं कि जिन्हें हम आराध्य मानते हैं, उनकी कितनी कद्र करते हैं।

**सवाल-** ये जो बात उठ रही है, इसके पीछे आपको क्या लगता है? बीजेपी सरकार सेंट्रल में है, वो वजह है या बहुत सारे धर्माचार्य मैदान में आ गए हैं, वो जागरुक कर रहे हैं?

**शास्त्री-** जहां तक सब जानते हैं कि हम राजनीति पर कोई टिप्पणी नहीं करते, 2014 में सेंट्रल में जो गर्वमेंट आई है, उससे निश्चित रूप से बदलाव नजर आता है। सनातन का प्रभाव बढ़ा है। हिन्दुत्व के जो पक्षधर लोग हैं, उनके कारण यह हुआ है। 2014 के पहले ही यह मूवमेंट शुरू हो गया था, इसमें आरएसएस की अपनी एक निजी भूमिका है।

**सवाल-** अयोध्या से लेकर संभल तक सर्वे और खुदाई आदि चल रही है, डॉ.मोहन भागवत ने इसमें बयान दिया कि ये कहां तक करोगे, सब जगह खुदाई करोगे क्या? तो इस तरह आरएसएस चीफ स्वयं इस तरह की बात कर रहे हैं, दूसरी तरफ कुछ लोगों का मानना है कि हिन्दू अब जाग गया है, ये सब होता रहेगा। इस पूरे मामले में आपका क्या टेक है?

**शास्त्री-** औरंगजेब, बाबर, चंगेज खान, मोहम्मद गौरी के समय में जितने मंदिरों को तोड़कर मस्जिद बनाया गया, वहां पुन-मंदिरों की प्राण प्रतिष्ठा करवाना ही सनातन का स्वर्ण काल है। ये बुरा नहीं है। हम अपनी खोई हुई प्रतिष्ठा को वापस ले रहे हैं। हम मस्जिदों को नहीं तोड़ना चाहते, मस्जिदों पर सर्वे कराना बेकार है, लेकिन जिन मस्जिदों में मंदिर हैं, वहां पर सर्वे कराकर पता लगेगा। इस्लाम धर्म के लोगों को आगे आना चाहिए कि जहां-जहां मंदिर थे, वहां मंदिरों को तोड़कर मस्जिदें बनाई गईं, वहां पर दोनों हाथ खोलकर उन्हें स्वागत करना चाहिए, इससे हम लगता है देश में शांति आएगी।

**सवाल-** दिल्ली के पूर्व सीएम अरविंद केजरीवाल कह रहे हैं कि हमारे जो नोट (करेंसी) है, उस पर लक्ष्मी जी और गणेश जी की फोटो छपवानी चाहिए, उनके इस बयान को आप कैसे देखते हैं?

**शास्त्री-** ये उनकी निजी आस्था भी हो सकती है, पर यदि चुनाव के समय पर बोल रहे हैं तो राजनीति है। ये बात यदि वो पांच साल पहले बोलते तो समझ आता। वे आज बोल रहे हैं या पहले से कह रहे हैं... हम उनके खिलाफ या पक्ष में नहीं हैं। हम तो लोगों के दिलों में लक्ष्मी-गणेश की तैयारी कर रहे हैं। नोटों और वोटों में लक्ष्मी-गणेश का प्रयोग नहीं होना चाहिए। गणेश जी से आप सीख क्या रहे हैं, ये महत्वपूर्ण है, उनकी मूर्ति कितनी बड़ी है, यह महत्वपूर्ण नहीं है। हम लक्ष्मी जी और गणेश जी को विचारों में रखें, नोटों और वोटों में न रखें।

**सवाल-** हम यदि इतिहास देखते हैं तो धर्मों ने समाज का जितना नुकसान किया है, जितना लड़वाया है, उतना? किसी ने नहीं किया?

**शास्त्री-** पूरे विश्व का यही हाल है। चाहे वो यहूदी हों, पारसी हों, यूनान हों या अमेरिकन्स हों, पूरे विश्व का यही हाल है। हर विचारधारा अपने आप को बड़ा साबित करने के लिए लड़ती है। हम एक बात के बहुत खिलाफ हैं कि आप कितने पुराने हैं। क्योंकि शराब नहीं है, शराब पर चर्चा होती है कि कितनी पुरानी है। धर्म एक व्यवस्था है, धर्म एक धारणा है, धर्म जीवन जीने की एक शैली है। ये पुराने और और नए से कोई फर्क नहीं पड़ता। अस्तित्व सनातन काल का आदिकाल से था है और है, पर इस बात पर हमें लड़ना नहीं है कि हम आदिकाल से हैं। हमें इस बात पर जोर देना है कि आदिकाल से थे और आदि तक रहेंगे, लेकिन कंट्रोवर्सी नहीं, किसी का हनन करके नहीं। हम इस्लाम के कुछ लोगों के खिलाफ हैं। ईसायित के कुछ नियमों के खिलाफ हैं और यह इसलिए क्योंकि आप कन्वर्जन पर जोर नहीं दे सकते। अगर ईश्वर को मुसलमान बनाना होता तो वो काटकर ही भेजता। अगर ईश्वर को पादरी बनाना होता तो वो क्रॉस का चिह्न लटकाकर भेजता। उसे जो बनाना है, वो बना दिया। अब उसकी व्यवस्था में अब छेड़छाड़ मत करो। इसके हम बहुत खिलाफ हैं और यही चीज समाज को तोड़ती है। एक ही चीज है जो पूरे विश्व को बचा सकती है कि न कोई बड़ा और न कोई छोटा। सबसे बड़ा धर्म है इंसानियत। आजकल इंसान बहुत हैं, इंसानियत मर गई। हमारे गांव के कुत्तों ने एक दिन काटना बंद कर दिया तो हमने पूछा कि क्या बात है? आजकल कालू, टोमी तुम काटते नहीं हो? तो टोमी ने कहा, महाराज आदमी ही आदमी को इतना काट रहा है, हमारी जरूरत नहीं है।

**सवाल-** आप दादा महाराज की बात करते हैं, लेकिन हमारे यहां कहा जाता है कि प्रतिभा विरासत में नहीं मिलती, लेकिन आपको तो विरासत में बहुत कुछ मिल गया, इसकी व्याख्या कैसे करते हैं आप?

**शास्त्री-** हम अक्सर एक बात कहते हैं कि अच्छा और सच्चा गुरु किसी भी रंक को राजा बना सकता है। श्रेष्ठ गुरु किसी को मिल जाएं तो वे किसी भी साधारण से कांच को बेहतरीन मूल्यवान आभूषण बनाकर प्रस्तुत कर सकते हैं, क्योंकि गुरु होते हैं पारस और हम सब हैं लोहा। सच्चे और कच्चे की गुरु की पहचान यह है कि जो अपनी पूजा करवाए वो कच्चा है और जो आपकी बांह पकड़कर परमात्मा से मिलवाने की चर्चा करे, वह सच्चा है।

**सवाल-** हमारे यहां वृद्धाश्रम बहुत खुल रहे हैं, इस समस्या को आप कैसे देखते हैं और क्या इसका कोई निराकरण भी आपको नजर आता है?

**शास्त्री-** निराकरण तो हैं पर कोई करना नहीं चाहता। एक सज्जन हमें मिले और बोले कि काश बेटियों को मां-बाप को रखने का अधिकार होता तो देश में वृद्धाश्रम न होते। हमने उन्हें कहा कि नहीं...थोड़ा उल्टा कर दीजिए। जो बहुएं घर में आती हैं, वो सास-ससुर को मां-बाप मानने लगें तो शायद वृद्धाश्रम नहीं खुलेंगे। हमारे देश में इंसान तो हैं, पर इंसानियत खत्म हो रही है। मकान बड़े हो रहे हैं, दिल छोटे हो रहे हैं। लोगों के पास मोबाइल और पड़ोसी के लिए समय है, पर अपनों के लिए नहीं। लोगों को कुत्तों से प्यार बढ़ गया है और इंसानों से घट गया है। यहां चित्र ज्यादा और चरित्र कम हो गया है। रील की जिंदगी बढ़ गई है, रीयल की जिंदगी घट गई है। पहले के जमाने में मकान दूर होते थे, लेकिन दिल पास-पास होते थे। आजकल फ्लैट में ?दीवारें बगल-बगल में हो गईं, पर दिल दूर-दूर हो गए। वृद्धाश्रम, अनाथालय इनके बढ़ने का सबसे बड़ा कारण यही है।

# स्वामी विवेकानंद के गुणों को अपनाने से जीवन में आने वाली कठिनाइयों को आसानी से दूर किया जा सकता हैः सांसद

**युवाओं के लिए स्वामी विवेकानंद जैसा प्रेरणादायक महापुरुष और कोई नहीं हो सकताः कलेक्टर**

**युवा दिवस के अवसर में जिले में जिला स्तरीय सामूहिक सूर्य नमस्कार कार्यक्रम का हुआ आयोजन**

छिन्दवाड़ा। प्रदेश शासन के निर्देशानुसार स्वामी विवेकानंद के जन्मदिवस पर युवा दिवस के अवसर में जिले में जिला स्तरीय सामूहिक सूर्य नमस्कार कार्यक्रम का आयोजन किया गया। यह कार्यक्रम शासकीय महारानी लक्ष्मीबाई कन्या उच्चतर माध्यमिक विद्यालय, छिंदवाड़ा में प्रातः 9 बजे से 10.30 बजे तक हुआ। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में जिले के सांसद विवेक बंटी साहू उपस्थित रहे। इसके अतिरिक्त नगरपालिक निगम महापौर विक्रम आहाके, कलेक्टर शीलेन्द्र सिंह, जिला पंचायत सीईओ अग्रिम कुमार, पुलिस अधीक्षक अजय पांडे, एडीएम के.सी.बोपचे, संयुक्त कलेक्टर श्रीमती ज्योति ठाकुर, एसडीएम सुधीर जैन, जिला शिक्षा अधिकारी गोपाल सिंह बघेल, सहायक संचालक शिक्षा पीएल मेश्राम, डीपी डेहरिया और जिला क्रीड़ा अधिकारी पीएस इवनाती सहित विभिन्न स्कूलों के प्राचार्य, योग समितियों के प्रतिनिधि एवं प्रशासनिक अधिकारी उपस्थित रहे। कार्यक्रम का शुभारंभ आकाशवाणी के माध्यम से मुख्यमंत्री के संदेश के प्रसारण से हुआ। इसके पश्चात एक समय, एक संकेत पर सामूहिक सूर्य नमस्कार की सभी 12 मुद्राओं एवं प्राणायाम का अभ्यास कराया गया। मंच से सूर्य नमस्कार और प्राणायाम का अभ्यास मध्यप्रदेश योग आयोग के जिला अध्यक्ष चंद्रकांत भूसारे, जिला योग प्रभारी श्रीमती संगीता बेंडे, विकासखंड योग प्रभारी श्रीमती ममता पटले और श्री सुरेश पवार द्वारा कराया गया। मंच संचालन राघवेंद्र वसूले ने किया।

कार्यक्रम में लगभग 800 छात्र-छात्राओं, शिक्षकों और योग क्लब के प्रभारियों ने भाग लिया। इस अवसर पर सांसद श्री विवेक बंटी साहू ने युवाओं को संबोधित करते हुए कहा कि स्वामी विवेकानंद के गुणों को अपनाने से जीवन में आने वाली कठिनाइयों को आसानी से दूर किया जा सकता है। उनके उपदेशों पर अमल करने से जीवन में सफलता प्राप्त की जा सकती है। कलेक्टर श्री सिंह ने अपने संबोधन में कहा कि स्वामी विवेकानंद के जीवन से प्रेरणा लेने के कई उदाहरण मौजूद हैं। उन्होंने कहा कि युवाओं के लिए स्वामी विवेकानंद जैसा प्रेरणादायक महापुरुष और कोई नहीं हो सकता।

### स्वामी विवेकानंद युवा पुरुस्कार संदीप रघुवंशी पुरूस्कृत

स्वामी विवेकानंद युवा पुरुस्कार छिंदवाड़ा के सांसद विवेक बंटी व आयुक्त नगर निगम सीपी राय, महापौर विक्रम अहाके द्वारा प्राप्त करते हुए युवा सामाजिक कार्यकर्ता संदीप रघुवंशी अध्यक्ष जनाधिकार सेवा समिति चौरई जिला छिंदवाड़ा।

**एकल अभियान ने मनाई विवेकानन्द जयन्ती**

एकल अभियान अंचल द्वारा स्वामी विवेकानन्द जयंती पर सामूहिक सूर्य नमस्कार किया गया अंचल अध्यक्ष पुरूषोत्तम साहू, सचिव प्रशान्त नन्दनवार, आरोग्य अध्यक्ष दशरथ साहू, कमलेश साहू, ग्राम स्वराज के नीरज भारद्वाज मीडिया प्रभारी आराधना शुक्ला, आरोग्य समिति के डॉ. भाला यादव, संरक्षक गोविन्द चौरिया, अभियान प्रमुख राजकुमार भट्टी, मनोज सोनी, सन्तराम यदुवंशी, अंकित व्यास, चौर से किरण कहार ने विवेकनन्द को पुष्पाजंलि अर्पित करते हुये कहा कि युवाओं को स्वामी विवेकानन्द के बताये मार्गों पर चलते रहना चाहिये, हमें अपने अधिकारों एवं कर्तत्यों के प्रति जागरूक रहकर निरन्तर जागरूक रहना चाहिये एवं कर्म करते रहना चाहिये किसी कार्य को लक्ष्य लेकर चलेगें तो निश्चित ही उस कार्य में सफल होंगे।

**स्वामी विवेकानंद की 162 वी जयंती**

स्वामी विवेकानंद की 162 वी जयंती पर स्वामी विवेकानन्द उद्यान छिन्दवाड़ा में स्वामी विवेकानंद स्मारक समिति छिन्दवाड़ा में प्रवीण चौरागड़े द्वारा लिखित नाटक परमहंस भाग 1 स्वामी विवेकानंद का मंचन किया गया, जिसका निर्देशन प्रवीण चौरागड़े एवं सह-निर्देशन डॉ पवन नेमा ने किया।सांसद विवेक बंटी साहू द्वारा नाटक परमहंस को स्वामी विवेकानंद की 162 वी जयंती पर सम्मानित किया गया हैं जिसमे डॉक्टर पवन नेमा, प्रवीण चौरागड़े और साथ ही सह कलाकार में वेदांत यादव , तुषार साहू , धीरज डेहरिया, विप्र वर्मा, भविष्य यादव ने अभिनय किया नाटक देखने आये दर्शको ने कहा की नाटक बहुत ही अच्छा था जिसमे विवेकानंद के बचपन से युवा तक का जीवन बहुत ही सुन्दर दिखाया गय , दर्शको ने माँ काली के स्वरूप की तारीफ की छिंदवाड़ा पांडुरना संसद मुख्य अतिथि विशिष्ट अतिथि विक्रम आहाके आयोजक अंशुल शुक्ला स्वामी विवेकानंद स्मारक समिति छिंदवाडा रहे।

पेंच सिंचाई माइक्रो वन परियोजना

## जल संसाधन के अधिकारियों ने किसानों को आश्वासन दिया है कि 30 मई तक खेतों में पानी पहुंचा देंगे

छिंदवाड़ा। पेंच माइक्रो वन इरिगेशन परियोना 130 करोड़ की है योजना का जलसंसाधन विभाग ने मेसर्स एच.ई.एस. इफ्रा प्राईवेट लि. हैदराबाद से 30 जून को 2019 को एग्रीमेन्ट किया था तब प्रदेश में कमलनाथ की सरकार थी।

इस परियोजना से चौरई क्षेत्र की 12,800 हेक्टेयर भूमि में सिंचाई होना है, एग्रीमेन्ट के अनुसार अभी तक ठेकेदार को योजना पूरी कर देना था, किन्तु ठेकेदार काम ही नहीं कर पा रहा है, क्षेत्र के किसान योजना को पूर्ण करने के लिए बराबर दबाव डाल रहे है, किन्तु ठेकेदार है कि थोड़ा सा काम करता है और काम बन्द कर देता है। तत्कालीन कार्यपालन यंत्री आशीष महाजन ने पाईप के नाम 12 करोड़ एडवान्स दिया था, तब शासन ने इन्हे सस्पेन्ड कर हटा दिया था, उसके बाद प्रभारी कार्यपालन यंत्री सन्तकुमार सिरसाम को यह कार्य दिया गया तो उन्होने कुल मिलाकर 90 करोड़ रूपये ठेकेदार को फिर दे दिया। जब ग्रामीणों को पता चला कि योजना में काम कुछ नहीं हुआ है थोड़े से पाईप खेतों में डाल दिये गये है तो उन्होने उग्र आन्दोलन किया एवं लोकसभा चुनाव में बहिस्कार करने का ऐलान कर दिया तो विभाग जागा और कार्य प्रारम्भ हुआ, इस समय ग्रामीण मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव से मिले थे तब उन्होने कहा था कि सांसद नकुलनाथ, विधायक सुजीत चौधरी कांग्रेस के हैं, आप मुझसे कह रहे है मुख्यमंत्री तक बात पहुंचने के बाद काम प्रारम्भ हुआ। किसानों ने बताया कि विगत 3-4 माह से काम बन्द है क्योकि सभी मजदूर सिवनी में मुनमुन राय के क्षेत्र में कार्य करने गये है।

**33 ग्रामों के किसानों रखी थी बैठक**

कार्य प्रारम्भ करने को लेकर 33 ग्राम के किसानों ने बैठक रखी जिसमें किसान और प्रशासन के लोग उपस्थित थे। जिन ग्रामों के किसान आये थे उन गांवों के नाम निम्न हैः- जमुनिया, कहरगांव, पांजरा, बगदरी, मड़ई, पिपरियारती, टंढा, रामगढ़, बिलहरा, खिरेटी, जुरतरा, तूनवाड़ा, गोगरी, कुंडा, आमाबोह, गोपालपुर, नरपनपुर, केदारपुर कला, केठारपुर खूर्द, बीजावाड़ा, माचिवाड़ा, हरभटा, किरंगीपार, किरकिरी, परासिया, सागर पिपरिया मानसिंग, कपुर्दा, समसवाड़ा, बिछुआ, हथनी, हथोड़ा उमरिया उपस्थित थे। बैठक में प्रशासन की ओर से विभाग के प्रभारी कार्यपालन यंत्री प्रभार कर टेकाम, सब इंजीनियर दिनेश सनोडिया एस.डी.एम. प्रभात मिश्रा, एस.डी.ओ.पी उपस्थित थे।

ग्राम में काम प्रारम्भ करने को कहा तो अधिकारियों ने कहा कि 30 मई तक खेतों में पानी पहुंच जायेगा। 30 मई तक पानी खेतों में नहीं पहुंचा तो किसान सिवनी की नहर का पानी बन्द कर जल सत्याग्रह करेंगे।

**90 करोड़ के बाद 10-12 करोड़ और ठेकेदार को दे दिया**

किसानों ने बताया कि उन्हें जानकारी मिली उसमें ठेकेदार ने सामान के नाम पर 10-12 करोड़ रूपए दिया है, एडवान्स देने पर तत्कालीन कार्यपालन यंत्री को निलम्बित कर दिया गया था, उसके बाद प्रभारी कार्यपालन यंत्री सन्तुकमार सिरसाम ने 90 करोड़ रूपए दे दिया, ग्रामीणों ने हल्ला किया तो विभाग के सन्तकुमार सिरसाम को हटाकर प्रभार कार्यपालन यंत्री प्रभाकर टेकाम को दिया, ग्रामीणों ने मांग की है कि पूर्व कार्यपालन यंत्री ने जो रूपए दिया है उस पर कितना कार्य हुआ इसकी जांच की जानी चाहिये

**रामगढ़ में हुई बैठक में प्रमुख किसान उपस्थित थे**

किसान संघर्ष समिति के 33 गांव के किसानों में शिवकुमार दुबे, मंगल बजारा, गुरू सनोडिया, दीपक तिवारी, किसान मोर्चा अध्यक्ष चौर लेखराम पहलवान,

पंजोलाल पटेल, विष्णु शर्मा, नरेश हरदेया, देवेन्द्र पाठक, धनश्याम सनोडिया, राम तिवारी, गौतम सनोडिया, प्रदीप सनोडिया, बन्टू ठाकुर, प्रदीप इंगले, देवेन्द्र सनोडिया, कोमल सनोडिया, अशोक पंचेश्वर, सुरेन्द्र चौबे, बुहुध पटेल, प्रयाग धुर्वे, संजय बट्टी धनश्याम सनोडिया सरपंच औमकार धुर्वे, नरेश हरिया, सरपंच मलाई, रामदयाल पटेल एवं अन्य बड़ी संख्या में उपस्थित थे। बैठक शिवकुमार दुबे के ग्राम रामगढ में हुई।

भारत माता चौक पर हुआ

## प्रासिद्धभजन गायक मित्तल का स्वागत

**चौरई।** चोरई नगर मे भारत माता चौक पर विवेकानंद जयती पर पूरे देश में अपने भजन से , देश मे अपनी पहचान बनाने वाले कन्हैया मित्तल, जो राम को लाएं हे हम उनको लाएंगे फेम का भारत माता चौक पर। शैलेन्द्र रघुवंशी एवम मित्रमंडली ने भव्य स्वागत किया साथ ही स्वामी विवेकानंद को भी याद किया गया, शैलेन्द्र रघुवंशी ने अपने सारगर्भित उद्बोधन में कहा की आज के युवाओं किसी हीरो हीरोइन को अपना आदर्श नहीं बनाना चाहिये आज के युवाओं को अपना आदर्श स्वामी विवेकानंद को बनाना चाहिये साथ ही उनके पद चिन्हो पर चलना चाहिये, वही कार्यक्रम मे मुख्य रूप से चौरई नगर मंडल अध्यक्ष भाजपा मदन राय, कुंडा मंडल अध्यक्ष धरम वर्मा जिला भाजपा मंत्री नीलू निर्मलकर, श्री राम चौरसिया , जुगलकिशोर खंडेलवाल प्रदीप शर्मा, चेतन पटेल बंटी जैन, रजनीश गौतम , रामसेवक परिवार से गजेंद्र राय, संजू ठाकूर चंद्रभान सोनी विनोद पाल यश रघुवंशी, संजय वर्मा आंनद चौरसिया नयन पटेल के साथ सभी कार्यकर्ता बंदू उपस्थित रहें।

**पेंशनर्स समाज की मासिक बैठक**

## बालाराम उईके का अवतरण दिवस धूमधाम से मनाया

परासिया। पेंशनर्स समाज परासिया की मासिक बैठक का आयोजन किया गया जिसमें सभी पेंशनरों ने एक दूसरे को नव वर्ष मिलन की शुभकामनाएं दी। व 76 वा गणतंत्र दिवस को मनाने पर चर्चा की गई। धूमधाम से गणतंत्र दिवस मनाने का निर्णय लिया गया। एवं फरवरी माह में पेंशनर्स दिवस समारोह धूमधाम से मनाया जावेगा निर्णय लिया गया। पेंशनर्स दिवस मनाने पर विशेष चर्चा की गई। इस कार्यक्रम की रूपरेखा तैयार की गई।आज मीटिंग में पेंशनर श्री बालाराम उईके आयु 83 वर्ष खिरसाडोह का जन्मदिन धूमधाम से मनाया गया। मासिक बैठक में अध्यक्ष अनूप राय,डी एन दुबे,डी के मिश्रा,एस एल पाटकर जी, डी पी खंडेलवाल,जेठूलाल सोनी,एम एस राजपूत, महेश यादव,मन्यु प्रसाद सोनी, गोपाल प्रसाद महोविया जुन्नारदेव, दिनेश तन्तुवाय, कय्यूम अंसारी, बालाराम उइके,आर के रसेला,असीम चक्रवर्ती,जे एन डेहरिया, वीरेन्द्र सिंह चौधरी, प्यारे लाल मर्सकोले श्रीमती चन्द्रकान्ता जैन, श्रीमती लक्ष्मी बाई ठाकुर, श्रीमती रामबाई आदि प्रमुख रुप से उपस्थित हुए।

## स्वामी विवेकानंद जंयती मनाई

अमरवाड़ा। शासकीय महाविद्यालय हर्रई में स्वामी विवेकानंद जंयती मनाई ।इस अवसर पर महाविद्यालय में सूर्य नमस्कार एवं व्याख्यानमाला का आयोजन किया गया। सुबह 8-00 बजे महाविद्यालय स्टाफ एवं विद्यार्थियो ने सुर्य नमस्कार एवं योगाभ्यास किया। इसके पश्चात व्याख्यानमाला मे प्राचार्य डॉ. एस के एस यादव, डॉ. एल काशिया, प्रोफेसर कमलेश कोचले, डॉ. सुभाष सोनी, तथा विद्यार्थियो मेबी. एससी. तृतीय वर्ष से सायना खान, बी. एससी. द्वितीय वर्ष से नीलम बघेल ने स्वामी विवेकानंद के जीवन पर, उनके विचारों, एवं उद्देश्य पर अपने उद्बोधन दिये।

लाड़ली बहना योजना की 20वीं मासिक सहायता राशि की अंतरित...

## जिले की 3 लाख 93 हजार लाड़ली बहनों के खातों में 47 करोड़ रुपये की राशि अंतरित

छिन्दवाड़ा। मुख्यमंत्री डॉ.मोहन यादव ने आज प्रदेश के शाजापुर जिले के कालापीपल में आयोजित राज्य स्तरीय कार्यक्रम से प्रदेश की 1.23 करोड़ लाड़ली बहनों के खातों में 1250 रुपये की 20वीं मासिक सहायता राशि सिंगल क्लिक के माध्यम से अंतरित की। इस अवसर पर कुल 1553 करोड़ रुपये की राशि का अंतरण हुआ। कार्यक्रम के माध्यम से छिंदवाड़ा जिले की 3 लाख 93 हजार लाड़ली बहनों के खातों में 47 करोड़ रुपये की राशि अंतरित हुई। साथ ही सामाजिक न्याय एवं निःशक्तजन कल्याण विभाग के अंतर्गत जिले के 01 लाख 41 हजार 501 सामाजिक सुरक्षा पेंशन के हितग्राहियों के खातों में कुल 78 करोड़ 18 लाख 67 हजार रुपये की पेंशन राशि का भी अंतरण हुआ। राज्य स्तरीय कार्यक्रम का सीधा प्रसारण जिले में भी किया गया था। जिला स्तर पर शासकीय महारानी लक्ष्मीबाई कन्या उच्चतर माध्यमिक विद्यालय, छिंदवाड़ा से नगरपालिक निगक महापौर विक्रम अहके, कलेक्टर शीलेन्द्र सिंह, सीईओ जिला पंचायत अग्रिम कुमार, अपर कलेक्टर के.सी.बोपचे, जिला कार्यक्रम अधिकारी महिला एवं बाल विकास डॉ.मोनिका बिसेन, उप संचालक सामाजिक न्याय एवं निःशक्तजन कल्याण विभाग श्री पी.राजोदिया, विजय झांझरी, स्थानीय जनप्रतिनिधिगण और जिले की लाड़ली बहनें वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से शामिल हुईं। साथ ही जिले के सभी जनपद पंचायतों, ग्राम पंचायतों, नगरीय निकायों में कार्यक्रम के सीधे प्रसारण को देखा व सुना गया। कार्यक्रम के दौरान लाड़ली बहनों को तिल के लड्डू, चूड़ियां और बिंदी का वितरण किया गया।

## ग्राम पंचायत बानाबेहरा के पंघाट नाले पर बनाया गया बोरी बंधान

जुन्नारदेव । मध्यप्रदेश जन अभियान परिषद के जिला समन्वयक अखिलेश जैन , विकासखंड समन्वयक संजय बामने के मार्गदर्शन में ग्राम पंचायत बानाबेहरा के पंघाट नाले पर लगभग 50 बोरीयों से बोरी बंधान का कार्य कर जल संरक्षण का संदेश दिया गया। इस बोरी बंधान में श्रमदान कर बोरियों का बांध बनाया गया तथा जल सरंक्षण का संदेश देकर प्रोत्साहित भी किया गया। विकासखण्ड समन्वयक संजय बामने ने बताया कि वर्तमान में घटता जल स्तर हमारे विनाश का कारण बन सकता हैं जिसके लिए हमें जल संरक्षण किया जाना बहुत ही आवश्यक है। जिससे की भविष्य में आने वाली पीढ़ी के लिए जल सुरक्षित बचा रहे। यह बोरी बंधान का कार्य परामर्शदाता, नवांकुर संस्था, सीएमसीएलडीपी में अध्ययनरत बीएसडब्ल्यू, एमएसडब्ल्यू के छात्रों व ग्रामीणों के सहयोग से किया गया। जिसमें सभी को जल संरक्षण अभियान के अंतर्गत वर्षा के जल का उचित प्रबंधन व संरक्षण तथा व्यर्थ पानी का दूरूपयोग न कर संरक्षण करने के लिये कार्य स्थल पर शपथ भी दिलाई गई। इस बोरी बंधान कार्य के अवसर पर विकासखण्ड समन्वयक संजय बामने, नवांकुर संस्था की अध्यक्ष सुश्री जितिका विश्वकर्मा, परामर्शदाता सुश्री योगिता मर्सकोले, सुश्री आयुषी मालवीय, सीएमसीएलडीपी छात्र-छात्राएं, बीएसडब्ल्यू व एमएसडब्ल्यू के विद्यार्थी आसूलाल कुमरे, किरण, किरण यदुवंशी, निशा उईके, प्रियंका उईके, शारदा सल्लाम, दिलीप उईके, ग्राम विकास प्रस्फुटन समिति, नगर विकास प्रस्फुटन समिति व ग्रामीण जन उपस्थित थे।

## मंत्री श्री पटेल ने किया बरमान मेले का शुभारंभ

नरसिंहपुर, प्रदेश के पंचायत एवं ग्रामीण विकास व श्रम मंत्री प्रहलाद सिंह पटेल ने जिले में नर्मदा नदी के तट पर मकर संक्रांति के अवसर पर लगने वाले प्रसिद्ध बरमान मेले का शुभारंभ फीता काटकर और मां नर्मदा नदी की पारंपरिक ढंग से पूजा- अर्चना कर रविवार को किया। मंत्री श्री पटेल व अन्य अतिथियों ने मां नर्मदा की महाआरती की। उन्होंने कन्या पूजन और नर्मदा में दीप दान किया। इस दौरान नशा मुक्ति पर संवाद कार्यक्रम भी आयोजित किया। इसके बाद लगाये गये स्टॉलों का भी अवलोकन किया।

इस अवसर पर सांसद चौ. दर्शन सिंह, जिला पंचायत अध्यक्ष श्रीमती ज्योति नीलेश काकोड़िया, विधायकद्वय विश्वनाथ सिंह पटेल व महेन्द्र नागेश, पूर्व राज्यसभा सांसद कैलाश सोनी, पूर्व राज्यमंत्री जालम सिंह पटेल, जिला पंचायत उपाध्यक्ष श्रीमती अनीता राजेन्द्र ठाकुर, पूर्व विधायक भैयाराम पटेल, इंजी. अभिलाष मिश्रा, कलेक्टर श्रीमती शीतला पटले, पुलिस अधीक्षक श्रीमती मृगाखी डेका, जनपद पंचायत चांवरपाठा के अध्यक्ष सोवरन सिंह ठाकुर व उपाध्यक्ष श्री रघुवंशी, सीईओ जिला पंचायत दलीप कुमार, तहसीलदार, ब्रह्मकुमारी ईश्वरीय विश्व विद्यालय की प्रभा कुसुम दीदी, अन्य जनप्रतिनिधि, अधिकारी- कर्मचारी, पुलिस प्रशासन और गणमान्य नागरिक मौजूद रहे।

कार्यक्रम को संबोधित करते हुए मंत्री श्री पटेल ने कहा कि मेले में किसी भी प्रकार की अनहोनी न हो इसके लिए प्रशासन प्रयास करता है। बरमान मेले की भव्यता इतिहास के पन्नों में दर्ज हो चुकी है। आज मेरे लिए यादगार का दिन है। उन्होंने कहा कि मकर संक्रांति पर्व पर भरने वाले ऐतिहासिक बरमान मेले की शुरूआत नशा मुक्ति के संकल्प के साथ होनी चाहिये, मुझे लगता है कि आज इसकी शुरूआत हुई है। आने वाली अगली मकर संक्रांति में आयोजित मेले में नशा मुक्ति में हम लोग कितने कदम चले हैं, यह देखा जायेगा। पहली बार गोटेगांव में नशामुक्ति आंदोलन शुरू किया था, इसके लिए जनप्रतिनिधियों व वॉलेंटियर्स को लगाया गया था। उन्होंने बताया कि इसमें उन्हें सफलता मिली। उन्होंने कहा कि घर का कोई सदस्य नशा करता है, तो उसको सही रास्ता दिखाने के लिए वहीं व्यक्ति उसको सही रास्ते पर ला सकता है, जो उसकी बात मानता हो या सुनता हो।

मंत्री श्री पटेल ने कहा कि किसी भी समाज सेवक को अहंकार नहीं होना चाहिये। उन्होंने कहा कि अभिभावक अपने बच्चों को जिम्मेदारी के साथ सही रास्ते पर लेकर आयें। जिला प्रशासन और सामाजिक कार्यकर्ता दोनों साथ मिलकर कार्य करेंगे तो नरसिंहपुर जिला नशा मुक्त हो सकता है। उन्होंने कहा कि हमारी लड़ाकू जातियां, मेहनतकस जातियां जब भी नशे की लत में आती है, तब हमारा देश कमजोर होता है। हमें सभी के साथ सामूहिक रूप से नशा मुक्ति के खिलाफ प्रयास करना चाहिये। जो लोग नशे के खिलाफ अभियान चला रहे हैं, उनको साथ में लेकर चलें, अभियान चलायें, मिलजुलकर प्रयास करें, इसकी आज से शुरूआत है। उन्होंने कहा कि आज का युवा फुटबॉल ग्राउंड के दो चक्कर लगा ले, तो समझना कि वह सही रास्ते पर है। उन्होंने कहा कि पद और पैसा नशा मुक्ति में ज्यादा सहायक नहीं होगा। सेवा के भाव से ज्यादा सहायक होगा कि कितने कदम हम आगे चले। आपदा के समय पद और पैसा काम नहीं आता, व्यक्ति काम आता है, यदि व्यक्ति में सामर्थ है, तो वह दूसरों की मदद करेगा।

मंत्री श्री पटेल ने कहा कि हम सबकी जिम्मेदारी है कि हमारी नजर संस्कृति की तरफ जानी चाहिये। घबराईये मत उसका रास्ता निकालने की कोशिश कीजिये, संकल्प लेकर जायेंगे तो आप श्रेष्ठ अभिभावक की श्रेणी में आयेंगे। नशा मुक्ति के लिए समर्पण की भावना होनी चाहिये। उन्होंने बताया कि नशा के खिलाफ मैरे गुरू ने कहा था कि पहले घर बचाना, फिर पड़ोसी की चिंता करना, फिर समाज व जिला देखना फिर आगे बढ़ना।

मंत्री श्री पटेल ने नर्मदा स्वच्छता पर कहा कि जब मैं और मेरे सहयोगी ने झांसीघाट से शुरूआत कर जिले की सीमा तक नर्मदा की सफाई अभियान चलाया। आज खुशी है कि नर्मदा जी में चोई नहीं देखने को मिलती है।

सांसद चौ. दर्शन सिंह ने युवा दिवस की बधाई देते हुए कहा कि बरमान का मेला वर्षों से प्रसिद्ध है। उन्होंने कहा कि अमरकंटक से लेकर भरूच तक लगभग 1312 किमी मध्यप्रदेश और गुजरात मां नर्मदा सबकी जीवनदायिनी है। हम जीवंत इकाई के रूप में बेटा या बेटी की शादी में पहला निमंत्रण, गमी होने पर बाल देने, विदाई करने और अन्य चीजों के लिए सभी मां नर्मदा जी के पास जाते हैं, लेकिन हमें भी मां नर्मदा के प्रति कुछ न कुछ कार्य करते रहना चाहिये। उन्होंने कहा कि बरमान मेले के दौरान नशा मुक्त अभियान शुरू किया गया है, इसका उद्देश्य नशा मुक्त बनाना है और हमें नशा नहीं करना है। हमें अपनी पीढ़ी को सुधारने के लिए नशा मुक्त अभियान को घर से शुरूआत करना होगा। नशा करने से कई पीढ़िया बर्वाद हो रही हैं। आज आप सभी यह संकल्प लेकर जरूर जायें, कि आप स्वयं नशा नहीं करोगे और बच्चों व नाते- रिश्तेदारों को भी नशा नहीं करने दोगे, तब कहीं जाकर इस मेले और इस कार्यक्रम को सार्थकता मिलेगी। इस क्षेत्र के विकास के लिए कोई कोर कसर नहीं छोड़ेंगे। प्रदेश के मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव के नेतृत्व में पूरा मंत्रीमंडल के प्रयासों से मध्यप्रदेश को स्वर्णिम मध्यप्रदेश बनायेंगे।

विधायक विश्वनाथ सिंह पटेल ने आभार व्यक्त करते हुए बरमान मेले की भव्यता के बारे में बताया। उन्होंने पंचायत मंत्री श्री पटेल से निवेदन करते हुए कहा कि यदि बरमान मेले में सांस्कृतिक मेला का आयोजन होता है, तो मेले का स्वरूप भव्य होगा। उन्होंने बताया कि मुख्यमंत्री द्वारा उन्हें विकास कार्यों के लिए 15 करोड़ रुपये की राशि प्रदान की थी। उन्होंने बताया कि इस राशि से सबसे सड़क मां नर्मदा के चरणों को अर्पित की है। नर्मदा किनारे सामुदायिक भवन बनाकर उन्होंने मंत्री श्री पटेल का आभार व्यक्त किया। पूर्व राज्यसभा सांसद कैलाश सोनी ने नशा मुक्ति का संकल्प दिलाया।

युवाओं ने घाट की सफाई कर घाटों की दीवारों में किया रंग रोगन

## उपेक्षा के शिकार संगम तट के घाटों को सुंदर बनाने मातृ शक्ति का रहा योगदान

मंडला। महाराजपुर संगम घाट पर स्थानीय युवाओं एवं मातृशक्तियों द्वारा किए जा रहे स्वच्छता कार्य को आगे बढ़ते हुए लगभग 400 मीटर लंबे घाट की दीवारों का भी रंग रोगन कर उसे आकर्षक बना दिया गया।पिछले 15 दिनों से मकर संक्रांति की तैयारी को लेकर स्थानीय आरती समिति के सदस्यों एवं भंडारा समिति के सदस्यों ने जगह-जगह साफ-सफाई के कार्य कर उपेक्षित पड़े घाटों,सीढ़ी,दीवारों को नया लुक दे दिया,जो कार्य नगर पालिका नहीं कर सकी उसे जनसहयोग से पूरा करा दिया गया,साथ ही श्रद्धालुओं के स्नान हेतु रेत की बोरियों को रखकर अस्थाई घाट भी बनाया गया।उपनगरीय क्षेत्र के नागरिकों का कहना है कि हमेशा ही नगर पालिका प्रशासन संगम क्षेत्र को उपेक्षित रखा है इसलिए यहां अतिक्रमण बढ़ गए हैं।यहां लाइट बंद रहती है,सड़कों की हालत खराब है साफ-सफाई का अभाव है तीर्थ यात्रियों, पैदल परिक्रमावासियों की रुकने की उचित व्यवस्था का आभाव है,पीने के पानी की कमी है,धर्मशालाओं में मनमानी चल रही है,अवैध रूप से शराब और अन्य नशे का कारोबार हो रहा है इस ओर महाराजपुर पुलिस प्रशासन की भी नजर नहीं है।

*महाराजपुर संगम क्षेत्र में हो रहा अतिक्रमण और अवैध निर्माण*

महाराजपुर संगम तट पर मकर संक्रांति के पावन पर्व पर जिले का सबसे बड़ा धार्मिक मेला का आयोजन होता है,किंतु इस धार्मिक मेले में सुविधा नगण्य है। नर्मदा तट पर साफ-सफाई और नर्मदा जी में स्नान करने आने वाले श्रद्धालुओं के लिए सुविधाओं के नाम पर कुछ भी नहीं है,नगर पालिका प्रशासन को दो दिन पूर्व इस धार्मिक मेले की याद आई आनन-फानन में कुछ काम किए जा रहे है लेकिन दो दिनों में व्यवस्था बनाना संभव नहीं है।यहां छोटी-छोटी दुकानों का अतिक्रमण इस तरह हावी हो गया है कि तीर्थ यात्रियों को यहां पर चलना,बैठना,पूजा-पाठ करना मुश्किल हो गया है।प्रदेश सरकार ने सामाजिक कुंभ के दौरान संगम के पूरे क्षेत्र को मेला क्षेत्र घोषित किया है यहां किसी प्रकार का अतिक्रमण और निर्माण कार्य पूर्णतः प्रतिबंधित किए गए हैं जो राजपत्र में प्रकाशित हो चुका है फिर भी निर्माण अतिक्रमण बदस्तूर जारी है।

### इनका कहना है

नर्मदा संगम तीर्थ स्थल है, यहां बड़ी मात्रा में तीर्थ यात्रीयों का आना-जाना है, परन्तु प्रशासनिक उपेक्षा के चलते बिजली, पानी की व्यवस्था नहीं है एवं पुलिस प्रशासन की लापरवाही के कारण शराब का अड्डा बन गया है।

**श्री सुधीर कसार**
**जिला मीडिया प्रभारी भाजपा।**

**डॉ. मोहन यादव,** मुख्यमंत्री

**नरेन्द्र मोदी,** प्रधानमंत्री

# नवजीवन की ओर मोक्षदायिनी क्षिप्रा

## ₹614 करोड़ लागत की सेवरखेड़ी-सिलारखेड़ी परियोजना का

# भूमिपूजन

मुख्यमंत्री

# डॉ. मोहन यादव

द्वारा

अध्यक्षता

# सी.आर. पाटिल

केन्द्रीय मंत्री, जल शक्ति मंत्रालय, भारत सरकार

**13 जनवरी, 2025 । अपराह्न 12:30 बजे**

### जल संरक्षण एवं पर्यावरण के लिए अनूठी पहल

- वर्षा ऋतु में क्षिप्रा नदी के जल को सिलारखेड़ी जलाशय में एकत्र कर पुनः आवश्यकता अनुसार क्षिप्रा नदी में किया जाएगा प्रवाहित
- सिंहस्थ 2028 के दौरान श्रद्धालुओं को मिलेगा क्षिप्रा नदी में स्वच्छ एवं निरन्तर जल प्रवाह
- सिलारखेड़ी जलाशय की ऊंचाई बढ़ने से जल संग्रहण क्षमता बढ़ेगी
- परियोजना से उज्जैन शहर की आबादी को मिलेगी पेयजल सुविधा

**उज्जैन, मध्यप्रदेश**

D-11153/24

सीधा प्रसारण @Cmmadhyapradesh @jansampark.madhyapradesh @Cmmadhyapradesh @jansamparkMP JansamparkMP

मध्यप्रदेश जनसम्पर्क द्वारा जारी

आकल्पन : म.प्र. माध्यम/2025